RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 नेटीजंस को रास आया नोरा का...

वर्ष : 25 | अंक : 352 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 19 दिसंबर, 2023 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

आज फिर 49 सांसद निलंबित, सदन में हंगामा

संसद नियम से चलेगी: ओम बिडला

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में बड़ी संख्या में विपक्षी सांसदों के निलंबन के खिलाफ विपक्ष सरकार के खिलाफ हमलावर है। विपक्षी सांसदों ने संसद में परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास खड़े होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। लेकिन मंगलवार को भी लोकसभा से विपक्ष के 49 सांसदों को निलंबित कर दिया गया।

आज सुबह संसद के दोनों सदनों राज्यसभा व लोकसभा की कार्रवाई जैसे ही शुरू हुई। विपक्ष के सांसदों ने संसद में सुरक्षा में चूक के मुददे पर हंगामा शुरू कर दिया। लोकसभा में हंगामा कर रहे सांसदों को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला ने शांत होने के लिए कहा। ओम बिडला ने कहा कि संसद नियम से चलेगी। संसद में तख्ती लाना और लहराना मर्यादित आचरण नहीं है। सांसदों के हंगामें के चलते लोकसभा की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा। वहीं लोकसभा अध्यक्ष ने आज फिर विपक्ष के 49 सांसदों को निलंबित कर दिया।

आज निलंबित किए गए सांसदों में वी वेंथिलिंगम, गुरजीत सिंह औजला, सुप्रिया सुले, सप्तगिरि उलाका, अदूर प्रकाश, अब्दुल समद समदानी, मनीष तिवारी, प्रद्युत बार्दोलोई, गिरधारी यादव, गीता कोड़ा, फ्रांसिस्को सारदिन्हा, जगत रक्षम, एसआर पार्तिविवन, फारुख अब्दुला, ज्योत्सना महंत, ए गणेश मूर्ति, माला राय, वेलूसामी, ए चंदकुमार, शशि थरूर, कार्ति चिदबंरम, सुदीप बंदोपाध्याय, डिंपल यादव, हसनैन मसूदी, दानिश अली, खदीदुल रहमान, राजीव रंजन सिंह, डीएनवी सेंथिल (शेष पृष्ठ-4 पर)

विपक्षी सांसदों की शर्मनाक हरकत

संसद की सुरक्षा में सेंध के मुद्दे पर हंगामा कर रहे 92 सांसदों के निलंबन के विरोध में विपक्षी सांसदों ने कुछ ऐसी शर्मनाक हरकत कर डाली जिससे रायसभा के सभापति व देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ नाराज हो गये हैं। रायसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बाद सांसदों के निलंबन के विरोध में विपक्ष के सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान सांसद कल्याण बनर्जी ने रायसभा के सभापति की नकल (मिमिक्री) की। इस दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी वहां खड़े हुए थे और कल्याण बनर्जी को नकल उतारते देख रहे थे।

गिरावट की कोई हद नहीं : धनखड

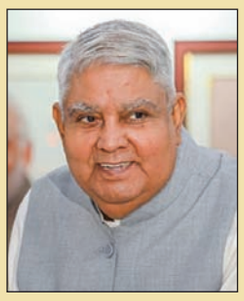

सांसद द्वारा नकल उतारे जाने पर रायसभा के सभापति जगदीप धनखड़ नाराज हो गए और उन्होंने कल्याण बनर्जी व राहुल गांधी की निंदा की है। उन्होंने विपक्षी सांसदों की इस हरकत को शर्मनाक बताते हुए कहा है कि गिरावट की कोई हद नहीं है। इन्हें ईश्वर सद्बुद्धि दे। ऐसा करना अस्वीकार्य व शर्मनाक है।

संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों का समर्थन खतरनाक : पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के बीच भाजपा संसदीय दल की बैठक में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर विपक्ष के रवैये पर बड़ा हमला बोला है। साथ ही उन्होंने विपक्ष के सांसदों द्वारा सदन में किए जा रहे हंगामे पर भी सवाल उठाये हैं। भाजपा संसदीय दल की आज बैठक संसद पुस्तकालय भवन में हुई। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा मौजूद रहे। इस दौरान पीएम मोदी ने संसद की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर विपक्ष के रवैये पर निशाना साधा।

भाजपा संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने इंडिया गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन का लक्ष्य हमारी सरकार को उखाड़ फेंकना है, लेकिन हमारी सरकार का लक्ष्य देश (शेष पृष्ठ-4 पर)

ज्ञानवापी मस्जिद मामला

हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को लगा बड़ा झटका 5 याचिकाएं खारिज

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद और काशी विश्वनाथ मंदिर के बीच स्वामित्व को लेकर सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड और अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी की याचिकाएं खारिज कर दी है।

वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर के स्वामित्व को लेकर वर्ष 1991 में वाराणसी में दायर मुकदमे को चुनौती देने वाली याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया है। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ बहुप्रतीक्षित प्रकरण में सुनावाई की गई।

ज्ञानवापी मामले को लेकर उच्च न्यायालय में हुई सुनवाई पर वकील विजय शंकर रस्तोगी ने बताया, 'मुस्लिम पक्ष की तरफ से जो याचिकाएं दाखिल की गई थी उन्हें खारिज कर दिया गया। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत को 6 महीने के अंदर मामले में अंतिम फैसला सुनाने को कहा है। वजूखाने का सर्वे भी होगा।'

वाराणसी अदालत के समक्ष दायर मुकदमे में तर्क दिया गया है कि मस्जिद, मंदिर का हिस्सा है। अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी और यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने वाराणसी की अदालत में लंबित वाद के विरुद्ध हाई कोर्ट में अपील दायर की है, यह कहते हुए कि विवादित स्थल पूजास्थल अधिनियम से निषिद्ध है।

एनटीपीसी के बाहर धरने पर बैठे किसानों की बिगड़ी तबियत

नोएडा (चेतना मंच)। दादरी एनटीपीसी से प्रभावित गांवों के किसान सेक्टर-24 स्थित एनटीपीसी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे हैं। इस दौरान ठंड लगने से 35 किसानों की हालत बिगड़ गई है जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं। इन लोगों को सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल ले जाया गया अस्पताल में अव्यवस्था मिलने पर किसान नेता भड़क उठे। किसान समान रोजगार, (शेष पृष्ठ-4 पर)

ग्रेटर नोएडा के अंसल गोल्फ लिंक-1 में 11 मकान सील

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा से इस समय बड़ी खबर आ रही है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने यहां के आवासीय सेक्टरों में मकानों के अंदर चल रहे होटलों, रेस्टोरेंट व पीजी के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की है। प्राधिकरण की टीम ने यहां के एक सेक्टर में 11 मकानों को सील कर दिया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की इस कार्रवाई से आवंटियों में हड़कंप मच गया है।

ग्रेटर नोएडा के अंसल गोल्फ लिंक-1 सोसाइटी में अवैध रूप से चल रहे होटल, रेस्टोरेंट व पीजी के खिलाफ आज ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने व्यापक अभियान छेड़ा। (शेष पृष्ठ-4 पर)

फ्लैट पर लगी सील को तोड़ने वालों पर दर्ज हुई एफआईआर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा अवैध अतिक्रमण की वजह से फ्लैटों पर लगाई गई सील को तोड़ना आवंटियों को खासा महंगा पड़ा है। प्राधिकरण अधिकारियों ने तीन आवंटियों के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास (शेष पृष्ठ-4 पर)

मकान से लैपटॉप, आईपैड व आईफोन चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के सेक्टर डेल्टा 2 के एक मकान से चोरों ने लैपटॉप, आईपैड व आईफोन चोरी कर लिया। पीड़ित के शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने 24 दिन बाद चोरी के इस मामले को दर्ज किया है। सेक्टर डेल्टा-2 के एच ब्लॉक में रहने वाले अभिषेक राय ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह बीते 11 नवंबर को अपने घर में मौजूद था। वह घर का दरवाजा खुला छोड़ कर नहाने के लिए बाथरुम में चला गया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

प्राधिकरण की जमीन पर दुकान मकान व मार्केट बनाने वाले नपे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्राम बिसरख जलालपुर में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अधिसूचित भूमि पर बिना अनुमति मानचित्र स्वीकृत कराये बिना अवैध रूप से दुकान, मकान व मार्केट का निर्माण करने पर दो नामजद सहित अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण वर्क सर्कल तीन के सहायक प्रबंधक गौरव ने ग्राम बिसरख जलालपुर निवासी कुलदीप भाटी पुत्र मेहकर भाटी, अजय प्रधान पुत्र ओमवीर सिंह व अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि ग्राम बिसरख जलालपुर के खसरा संख्या-663 पर प्राधिकरण की अधिसूचित अधिकृत भूमि है। इस भूमि पर प्राधिकरण की बगैर अनुमति तथा बिना मानचित्र स्वीकृत कराये बिना कृषकों व भूस्वामियों द्वारा अवैध रूप से दुकानों मार्केट व रास्ते का निर्माण किया गया है। इस बात की जानकारी मिलने पर प्राधिकरण की टीम द्वारा लगातार उक्त स्थल पर अवैध निर्माण को रुकवाने का प्रयास किया गया। इस संबंध में कई बार आरोपियों को नोटिस भी दिए गए लेकिन उन्होंने अवैध निर्माण कार्य नहीं रोका। (शेष पृष्ठ-4 पर)

नशे का शौक पूरा करने के लिए लूटने लगा मोबाइल

नोएडा (चेतना मंच)। मोबाइल लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले शातिर लुटेरे को थाना सेक्टर-58 पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से बदमाश घायल हो गया पकड़ा गया बदमाश नशे का आदी है और अपने नशे के शौक को पूरा करने के लिए मोबाइल लूट व चोरी की वारदात को अंजाम देता था।

एडीसीपी मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि थाना सेक्टर-58 पुलिस बीती रात्रि लेबर चौक के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी इस दौरान पुलिसकर्मियों ने बाइक पर आ रहे एक युवक को रोकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर युवक बाइक को मोड़कर भाग निकलीा। संदेह के आधार पर पुलिस ने पीछा किया तो उसने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसे दबोच (शेष पृष्ठ-4 पर)

छात्रा का मोबाइल लूटने वाले दबोचे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा थाना सूरजपुर पुलिस ने छात्रा से मोबाइल फोन लूटने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से छात्रा से लूटा गया मोबाइल फोन बरामद हो गया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि ऐच्छर गांव निवासी मंजू (काल्पनिक नाम) एक कॉलेज में पढ़ती है। बीते 16 दिसंबर की शाम को वह कॉलेज से घर लौट रही थी। पुलमेरिया सोसायटी के बाहर काले रंग की स्प्लेंडर बाइक पर आए विवेक करण व विवेक ने उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और मौके से फरार हो गए। पीड़िता ने इस संबंध में तीनों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया थी। पीड़िता के मुताबिक तीनों उसी के गांव में रह रहे हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

घर-घर तक पहुंचाया जाएगा चौधरी चरण सिंह के विचारों को, चल रही है यात्रा

नोएडा (चेतना मंच)। किसानों के सचे मसीहा चौधरी चरण सिंह के विचारों को घर-घर तक पहुंचाने का कार्यक्रम चल रहा है। इस कार्यक्रम के तहत शुरू की गई चौधरी चरण सिंह किसान संदेश यात्रा 21 दिसंबर को ग्रेटर नोएडा में पहुंचेगी। यात्रा से जुड़े नेताओं का कहना है कि चौधरी चरण सिंह के विचारों तथा नीतियों से ही देश सही अर्थों में तरक्की करेगा।

आपको बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह सही मायने में किसानों तथा मजदूरों के मसीहा थे। चौधरी चरण सिंह का स्पष्ट मत था कि भारत की सही मायने में उन्नति व तरक्की तभी संभव है जब भारत के गांवों को ठीक से विकसित किया जाएगा। चौधरी चरण सिंह कहते थे कि भारत की उन्नति का मार्ग खेतों तथा खलियानों से होकर गुजरता है। चौधरी चरण सिंह की इस सोच का सीधा अर्थ था कि भारत कृषि प्रधान देश है। खेती तथा किसानी के विकास के बिना भारतर की तरक्की संभव नहीं है। दुर्भाग्य से चौधरी चरण सिंह के बाद की सरकारों ने ग्रामीण भारत व खेती को प्राथमिकता नहीं दी और देश का बड़ा हिस्सा (ग्रामीण क्षेत्र) पिछड़ता ही चला गया। चौधरी चरण सिंह हमेशा कहते थे (शेष पृष्ठ-4 पर)

ISHWAR PHYSIO CARE
At Home Physiotherapy for an Active Life
Physical Therapy for :
- Back & Neck Pain
- Arthritis
- Post Stroke
- Sports Injury
- Fracture Rehabilitation
- Joint Pain
- Pain Management Through Electro Therapy

Home Visit Only

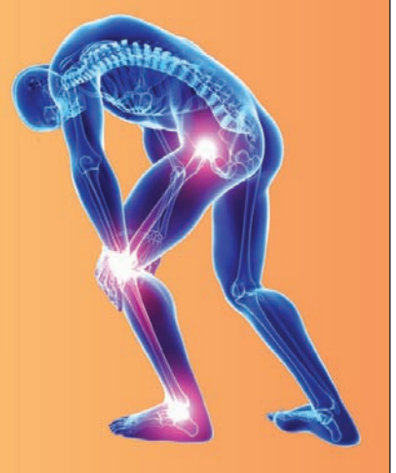

Dr. Ankur Sharma (PT)
Up state medical council Registered (Lucknow)
+919990144473

सुरमई घोषणाएं

क्या हिमाचल अपने अस्तित्व की फिर से खोज करेगा या राजनीतिक अखाड़ों की महत्तवाकांक्षा में ये घाव यूं ही छुपा लिए जाएंगे। हमारा मुकाबला स्वयं से है, लेकिन स्वयंसिद्धि के शिकार होकर खुशफहमी है कि हम ही विजय हैं और हम ही शंखनाद हैं। हम कैसा समाज हैं जो अतृप्त मूल्यांकन में सिर्फ सरकार के फर्ज को अपनी कसौटी का माध्यम बनाते हैं। ऐसे में सरकारें ढोलकी बन जाती हैं और हम तब तक इसकी ध्वनि में ऊंचे सुर की घोषणाएं सुनते हैं, जब तक यह परिदृश्य से हट न जाएं। सरकारों के आने से कहीं अधिक जाने की तमन्ना में हम कर्मचारी हैं, बेरोजगार हैं और हैं ऐसे नागरिक जिन्हें सुरमयी घोषणाएं चाहिएं। हम हर सरकार के पहले कदम से उसकी अंतिम राह तक केवल एक ख्वाहिश हैं, विरोध हैं या तलवे चाटने वाले लोगों का ऐसा समूह जो हर तरह की राजनीति में 'सत्ता पक्ष' का माफिया हो जाता है। उसके पास ऐसी मंडलियां-जुंडलियां हैं जिनके तहत कर्मचारियों के स्थानांतरण अनवरत शर्तों के तहत स्थायी ढंग से चलते रहते हैं। वह कर्मचारी नेता हो सकता है जिसे कार्य संस्कृति नहीं, अव्यवस्था को कायम करते हुए ऐसे गतिरोध बनाने हैं ताकि सरकारों के घुटने छिलते रहें और वह अपने हुनर में पारंगत नजर आए। वह अब औद्योगिक क्रांति में बीबीएन के स्क्रैप जैसा हो गया है, जो चुपचाप कहीं अंधेरों के तराजू में खुद को तोलता है। वह सड ? की पैमाइश में, कोलतार की बिछाई में या नई इमारतों की लंबाई में माप रहा है सरकार के अपव्यय को या उधार में ढलते विकास को। एक मुकाबला है अब हिमाचल में या इसकी तरक्की के शृंगार में वह सभी कुछ है, जिससे लाभान्वित कुछ लोग चमक रहे हैं। अब विभागीय कसरतों में न बाबू, न अधिकारी और न ही नौकरशाह किसी जमीन पर चल रहे हैं, बल्कि कोई न कोई ठेकेदार रेत छान रहा है या कोई जेसीबी मशीन कटते पहाड़ को अपनी विजयी पताका पहना रही है। है तरक्की हमारी गली तक भी, लेकिन गड्ढों को हमने छुपा लिया। छोटे से हिमाचल में और कितने महाभारत होंगे। कितनी बार सरकारें डूबेंगी और हम युद्धरत लोग हर महाभारत के एक नए कुरुक्षेत्र में अपने-अपने आक्रोश को धारदार बना कर उन्हीं पत्तों को फेंट रहे होंगे। वो अमली हैं, लेकिन नशे में हम हैं जिन्हें मालूम भी नहीं कि सुबह के लिए महज एक रोशनी की जरूरत है। रोशनी की तलाश में यकीनन सरकारों ने कुछ सफर तय किया है, वरना पर्वतीय राज्यों में हिमाचल का नाम न होता, लेकिन अब नए संतुलन, नए आकलन और नई समीक्षाओं की जरूरत है। बेशक मौजूदा सरकार की बनावट-लिखावट में कई इरादे, नए वादे, नए संकल्प और नई कसरतें चल रही हैं, लेकिन जिन पत्थरों को हटाने की जरूरत है, वे रास्तों पर बिखरे हैं। यानी कसीदे शिमला से लिखे जा सकते हैं, लेकिन हिमाचल की अस्मिता के शब्द पूरे हिमाचल की तस्वीर में छुपे बैठे हैं या क्यों रूठे रूठे से हो जाते हैं तेरी महफिल के नगमे। एक साल बाद व्यवस्था परिवर्तन के नजराने बहुत होंगे, मगर प्रदेश को बदलने के लिए ये तराने पुराने से लगते हैं। हमारे सामने नई योजनाएं उस मंच की तहरीर हो गईं, जिन्हें हमने अपनी पलकें बिछा कर बुना था। हिमाचल को अपनी शून्यताओं से उबर कर आत्मनिर्भर होना है, तो हर रुपए को साबित करना है कि दर्द उसके भी सीने में यही है। हमने आयोजन किए, एक इन्वेस्टर मीट भी कर ली थी, लेकिन कौन आया हमारे चिराग को जलाने। धुआं-धुआं घोषणाओं में हमारी आर्थिक बेडि ?ीं को सहलाने कौन आया। बदलने होंगे इजहार के रास्ते, व्यवहार के रास्ते, वरना इस शहर के फूलों पर किसी का कब्जा रहेगा। फिर निवेश की राह पर वर्तमान सरकार हाथ-पांव मार रही है, लेकिन क्या हम हिमाचली निवेशक यानी निजी क्षेत्र के साथ खड़े होते हैं। हमारी हैसियत आज भी सरकारी क्षेत्र के सेवारत या रिटायर्ड करीब साढ़े चार लाख कर्मचारियों की पूजा कर रही है, जबकि निजी क्षेत्र के रोजगार में पच्चीस लाख लोगों की शिनाख्त नहीं हो रही। ये लोग न माफिया, न ठेकेदार और न ही नेता हैं, बल्कि हिमाचल की मिट्टी खोद कर दो रोटी उगा रहे हैं।

आखिर इतनी आसानी से कैसे मान गयीं वसुंधरा ?

राजस्थान में भाजपा विधायक दल के नेता के पद पर पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा का चयन हो चुका है। भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री पद की व जयपुर राजघराने की दीया कुमारी तथा डॉक्टर प्रेमचंद बैरवा ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण कर ली है। इसके साथ ही राजस्थान में विधिवत रूप से भाजपा की सरकार काम करने लग गयी है। भाजपा ने विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए भी अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी का नाम तय कर दिया है। निर्धारित प्रक्रिया के तहत उनका भी विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए चयन हो जाएगा। राजस्थान में भाजपा के 115 विधायक जीत कर आए हैं। इसके साथ ही कई निर्दलीय विधायकों ने भी भाजपा को समर्थन देने के संकेत दिए हैं। ऐसे में भाजपा के नए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पांच साल तक सरकार चलाने में किसी तरह की दिक्कत नहीं होने वाली है।

भजनलाल शर्मा के नेता पद के चुनाव से पहले राजनीतिक विश्लेषक आशंका जता रहे थे कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे खुद के अलावा किसी अन्य के नाम पर सहमत नहीं होंगी। विधानसभा के चुनाव परिणाम आने के बाद से ही वसुंधरा राजे द्वारा अपने आवास पर विधायकों को बुलाकर लगातार शक्ति प्रदर्शन भी किया गया था। मगर जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर्यवेक्षक बनकर जयपुर आए तो उन्होंने मात्र दो घंटों में ही भजनलाल शर्मा को अगला मुख्यमंत्री घोषित कर वसुंधरा राजे के पूरे खेल को ही बिगाड़ कर रख दिया था। इतना ही नहीं भजनलाल के नाम का प्रस्ताव भी वसुंधरा राजे से ही करवाया गया था। विधायक दल की बैठक के दौरान राजनाथ सिंह ने अपनी जेब से एक पर्ची निकालकर वसुंधरा को दी थी। जिस पर भजनलाल शर्मा का नाम लिखा था। राजनाथ सिंह द्वारा दी गयी पर्ची पर लिखे नाम को प ?कर एक बार तो वसुंधरा सकपका गयी थीं। मगर बाद में उन्होने भजनलाल के नाम का प्रस्ताव कर दिया था।

लोगों का कहना है कि नेता पद के चयन से पहले वसुंधरा राजे व उनके समर्थक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व विधायक भवानीसिंह राजावत, प्रहलाद गुंजल जैसे कई नेता व विधायक लगातार कह रहे थे कि वसुंधरा राजे जैसी अनुभवी को ही प्रदेश में तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। प्रदेश की खराब वित्तीय स्थिति का सामना वसुंधरा राजे जैसी अनुभवी नेता ही कर सकती हैं। उनको दो बार सरकार चलाने का अनुभव है। वह पूरे प्रदेश से अच्छी तरह वाकिफ हैं। मगर वसुंधरा राजे के किसी भी समर्थक की एक भी नहीं सुनी गई और भजनलाल के नाम की घोषणा हो गई।

चर्चा है कि अपने पुत्र दुष्यंत सिंह जो झालावाड़ सीट से चौथी बार सांसद हैं, उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर वसुंधरा राजे ने पार्टी आलाकमान के निर्णय के साथ रहने में ही अपनी भलाई समझी और उन्होंने चुपचाप पार्टी के निर्देशों का पालन किया।

राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि जब जयपुर में वसुंधरा राजे विधायकों के साथ शक्ति प्रदर्शन कर रही थीं। तब उनके सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह पर भी जयपुर के एक होटल में कुछ विधायकों की बाकेबंदी करने की खबरें आई थीं। तब भाजपा आलाकमान सतर्क हो गया और वसुंधरा राजे को दिल्ली बुलाया गया। दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व गृहमंत्री अमित शाह ने वसुंधरा राजे को दो टूक शब्दों में समझा दिया था कि इस बार उनको मुख्यमंत्री नहीं बनाया जा रहा है। पार्टी नए लोगों को आगे करेगी ऐसे में आपको पार्टी का साथ देना चाहिए। चर्चा है कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा व अमित शाह ने वसुंधरा राजे को कड़ाई से कह दिया था कि वह एक लंबी राजनीतिक पारी खेल चुकी हैं। इसलिए अब उनको विश्राम करना चाहिए। यदि वह पार्टी के निर्णय के साथ रहेंगी तो उनके सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह को पार्टी में आगे बढ़ाया जाएगा।

चर्चा है कि अपने पुत्र दुष्यंत सिंह जो झालावाड़ सीट से चौथी बार सांसद हैं, उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर वसुंधरा राजे ने पार्टी आलाकमान के निर्णय के साथ रहने में ही अपनी भलाई समझी और उन्होंने चुपचाप पार्टी के निर्देशों का पालन किया। वसुंधरा राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह चार बार के सांसद हैं तथा आगे उन्हें केंद्र सरकार में मंत्री बनाए जाने की भी संभावना व्यक्त की जा रही है। बहरहाल वसुंधरा राजे ने तो अपने पुत्र के मोह में पार्टी नेतृत्व के समक्ष हथियार डाल दिए हैं। मगर उनको मुख्यमंत्री बनाने की मांग को लेकर बारां अंता के विधायक कंवरलाल मीणा, कालीचरण सर्राफ, प्रताप सिंह सिंघवी, बहादुर सिंह कोली जैसे लोग खुलकर सामने आ चुके हैं। इससे उनकी छवि जरूर पार्टी नेतृत्व के सामने दागदार हुई है। हो सकता है आने वाले समय में उन्हें पार्टी द्वारा सरकार या संगठन में कोई जिम्मेदारी भी नहीं दी जाए। पार्टी आलाकमान के निर्देश पर ही वसुंधरा राजे भजनलाल शर्मा के मुख्यमंत्री पद का कार्यभार ग्रहण करते समय सचिवालय जाकर उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद देते हुए फोटो भी खिंचवा कर आईं और ऑल इस वेल का सन्देश देने का प्रयास किया। वसुंधरा इतना सब अपने पुत्र कि खातिर ही कर रही हैं। वरना उनकी विद्रोही छवि व लड़ाकू स्वभाव से हर कोई वाफिक है।

अब पार्टी ने भी उनके स्थान पर राजपूत नेता के तौर पर जयपुर राजघराने की दीया कुमारी को उपमुख्यमंत्री बना कर प्रदेश की राजनीति में आगे बढ़ा दिया है। दीया कुमारी उनकी तरह बड़े राजपरिवार की बेटी के साथ महिला भी हैं। दीया कुमारी राजसमंद से सांसद व दूसरी बार विधायक बनी हैं। उन्होंने विद्याधर नगर सीट पर राजस्थान में सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। दूसरा उपमुख्यमंत्री अनुसूचित जाति के डॉ. प्रेमचंद बैरवा को बनाया गया हैं। जो वसुंधरा गुट के माने जाते थे। मगर अब बैरवा सरकार में शामिल हो गये हैं। इसी तरह अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर वसुंधरा के साथ रहने वाले विधायक भी अब एक-एक कर खिसकने लगे हैं।वसुंधरा राजे स्वयं इस समय पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।

भाजपा में जिस तरह से आलाकमान प्रभावी है। उसको देखकर नहीं लगता है कि वसुंधरा राजे को आगे चलकर पार्टी में कोई और अधिक बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। मौजूदा संकेतों से तो वसुंधरा राजे का राजनीतिक भविष्य गुमनामी की ओर ही जाता दिख रहा है। उनके कई समर्थकों का इस बार टिकट भी काट दिया गया। मौजूदा हालात को देखकर तो लगता है कि आने वाले समय में वसुंधरा राजे के अन्य समर्थकों को भी पार्टी में प्रभावहीन कर दिया जाये तो किसी को आश्चर्य नहीं होगा।बहरहाल, राजस्थान में जहां हर बार सरकार बदलने की परंपरा इस बार भी कायम रही है। वहीं एक बार वसुंधरा राजे, एक बार अशोक गहलोत के मुख्यमंत्री बनने का सिलसिला टूट गया है। भाजपा ने वसुंधरा राजे के स्थान पर भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनकर पुरानी परंपराओं को समाप्त कर प्रदेश में एक नई राजनीति की शुरुआत की है। यह कितनी सफल रहेगी इसका पता तो आने वाले समय में ही चल पाएगा। **-रमेश सर्राफ धमोरा**

लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।

संसद में सुरक्षा चूक की घटना को महंगाई और बेरोजगारी से जोड़कर देखना गलत

पिछले दिनों लोकसभा की दर्शक दीर्घा से दो युवक सांसदों की मेज पर कूद गए। एक युवक ने जूते से कुछ निकाला और सदन के अंदर पीला धुआं छा गया। आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया। संसद की सुरक्षा में हुई चूक के मामले में कांग्रेस और बीजेपी आमने-सामने हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सांसद नेता राहुल गांधी से संसद में सुरक्षा चूक पर मीडिया ने सवाल पूछा। उन्होंने कहा कि सिक्योरिटी ब्रीच जरूर हुई है, लेकिन इसका सबसे बड़ा कारण बेरोजगारी और महंगाई है। मोदी जी की पॉलिसीज के कारण देश के युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा। राहुल के बयान के बाद बीजेपी की प्रतिक्रिया आना स्वाभाविक था।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी बीजेपी को घेरते हुए बयान दिया है कि लोकसभा में विजिटर गैलरी से कूदने वाले आरोपी बेरोजगारी की समस्या पर देश का ध्यान खींचना चाहते थे। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या इस गंभीर एवं संवेदनशील मामले में राजनीति होनी चाहिए? क्या असल में इस घटना की वजह बेरोजगारी है?

जांच एजेंसियां आरोपियों से पूछताछ में जुटी हैं। उम्मीद है कुछ दिनों में सच भी सामने आ ही जाएगा। लेकिन प्रथम दृष्टया विपक्षी दल अपने बयानों से आरोपियों का बचाव करते दिखाई दे रहे हैं। वास्तव में विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं की बयानबाजी सोची समझी रणनीति का हिस्सा लगती है। आतंकी घटना को अंजाम देने वाले युवकों को बेरोजगारी से पीड़ित और कुंठित बताकर विपक्ष मोदी सरकार को घेरने की जो तैयारी कर रही है, उसकी परतें धीरे-धीरे खुलने लगी हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में विपक्ष और इंडिया गठबंधन ने बीजेपी को पराजित करने के सारे यत्न किए। लेकिन समझदार जनता ने विपक्ष की नीति और नीयत को अच्छे से पहचान कर न्याय कर दिया। हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में मतदाताओं ने कांग्रेस को जो पटखनी दी है, उसने कांग्रेस को बहुत गहरी चोट दी है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में समाजवादी पार्टी को भी काफी उम्मीदें थीं। लेकिन इस बार उसका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। ऐसे में विपक्ष और खासकर इंडिया गठबंधन में शामिल दलों को यह समझ नहीं आ रहा कि, 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी का मुकाबला वो कैसे करेंगे। लोकसभा चुनाव में वो जनता के सामने क्या मुद्दा और एजेण्डा लेकर जाएंगे।

असल में जन सरोकारों से दूर सत्ता पाने की बेचैनी में विपक्ष के पास मोदी सरकार को घेरने के लिए कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। ऐसे में विपक्ष का सारा जोर इस बात पर है कि येन केन प्रकारेण मोदी सरकार की छवि को धूमिल किया जाए। किसी भी यत्न से जनता के मन में मोदी के प्रति प्यार, स्नेह और समर्थन की बजाय क्रोध और असम्मान का भाव जागृत हो जाए। संसद की घटना के चार दिनों के भीतर ही विपक्षी दलों के नेताओं के बयानों और उनके हमदर्दों के चेहरे से ये तो साफ हो गया है कि ये आतंकी मानसिकता के युवा किसी षड्यंत्रकारी ताकत के मोहरे भर हैं।

वर्ष 2014 में जब से मोदी सरकार ने देश की सत्ता संभाली हैं, तब से तमाम देशविरोधी ताकतें किसी ने किसी बहाने देश और मोदी सरकार की छवि धूमिल करने की कोशिशें करती रहती हैं। देश में एक ऐसा गैंग हैं, जिसे देश में और देश से बाहर बैठी ताकतें खाद पानी उपलब्ध कराती हैं। आंदोलनजीवी ये गैंग देश विरोधी ताकतों के इशारे पर कभी शाहीन बाग, कभी किसान आंदोलन और कभी पहलवान आंदोलन के जरिये मोदी सरकार को घेरने और देश की प्रतिष्ठा धूमिल करने का काम करते हैं। इस गैंग ने नोट बंदी, धारा 370 को हटाते समय और कोविड काल में भी देश में अराजकता फैलाने की पूरी कोशिश की। लेकिन जनता इनके बहकावे में नहीं आई।

इस गैंग का मकसद किसी भी तरीके से देश में अस्थिरता और अराजकता का माहौल बनाना है। ऐसा करके वो देश के बुरे हालातों और घटनाओं को ठिकरा मोदी सरकार के सिर फोड़कर सत्ता प्राप्ति के मंसूबों में कामयाब होना चाहते हैं। इस गैंग ने देश हित में उठाये गये हर कदम का विरोध संसद से लेकर सड़क तक किया है। लेकिन जनता इस देश विरोधी गैंग के हथकंडों और प्रपंचों को अब समझने लगी है। इसलिए वो इनके झांसे में नहीं आती। हालिया विधानसभा चुनाव में जनता ने जिस विवेकशीलता का परिचय दिया है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए वो कम है।

संसद में हुई आतंकी घटना को बेरोजगारी से जोड़कर विपक्ष बड़ी चालाकी से युवाओं को भड़काना चाहता है। वो चाहता है कि लोकसभा चुनाव से पूर्व युवा सड़कों पर उतरकर धरना, प्रदर्शन कर सरकार का विरोध करें जिससे सरकार की छवि को ठोस पहुंचे और चुनाव में वो लोगों की नाराजगी को अपने पक्ष में भुना सकें। बेरोजगारी पिछले दस वर्षों में पैदा हुई समस्या नहीं है। देश में छह दशक तक और राज्यों में सर्वाधिक समय तक कांग्रेस की सरकारें रही हैं। कांग्रेस के कार्यकाल में बेरोजगारी से निपटने के लिए हुए कार्य सबके सामने हैं। अगर कांग्रेस ने अपने लंबे कार्यकाल में इस समस्या पर ढंग से काम किया होता तो आज बेरोजगारी की समस्या इतनी विकराल और गंभीर न होती। लेकिन जब केवल विरोध के लिए विरोध करना हो तो फिर तर्क, तथ्य और गंभीर प्रश्न नेपथ्य में चले जाते हैं।

राहुल और अखिलेश यादव आज युवाओं की बेरोजगारी का राग अलाप रहे हैं, उन्हें देश को बताना चाहिए कि जब उनके दल सत्ता में थे तो उन्होंने कितनी गंभीरता से इस बारे में कदम उठाये थे। केंद्र, राज्य और सार्वजनिक उद्यमों में लगभग तीन करोड़ सरकारी कर्मचारी हैं। भारत में 70 करोड़ युवा है। सरकारी नौकरियां सिर्फ लाखों में हैं। इस जटिलता और स्थिति को समझना होगा। बेरोजगारी किसी एक व्यक्ति या परिवार की समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय है। लेकिन राजनीतिक दलों को किसी भी गंभीर विषय पर तार्किक विमर्श करने की बजाय लोगों को अपने स्वार्थपूर्ति के लिए उकसाना होता है। आतंकी चरित्र के व्यक्तियों को बेरोजगारी जैसे गंभीर मुद्दे से जोड़कर विपक्ष ने अपनी नीति और नीयत को साफ कर दिया है कि उसे बेरोजगारी से कोई लेना-देना नहीं है। उसका मकसद बेरोजगार युवाओं के कंधों पर चढ़कर सत्ता हासिल करना मात्र है।

संसद के बाहर की घटना में दो लोग शामिल थे। नीलम की उम 42 वर्ष है। वे बहुत नाराज हैं क्योंकि मोदी सरकार ने बेरोजगारी बढ़ा दी है। पर 2014 तक वे क्यों बेरोजगार थीं? 32 साल की उम्र तक बेरोजगार रहने पर उसे गुस्सा नहीं आया। अनमोल की उम्र 25 साल है। लोकसभा में दर्शक दीर्घा से कूदा युवक सागर शर्मा सिर्फ 12वीं पास है। और दूसरे युवक मनोरंजन डी की उम्र 35 साल है। इस घटना का मास्टर माइंड बताये जा रहे ललित झा की उम्र 40 साल है। मोदी सरकार के सत्ता संभालने के समय वह 30 साल से ऊपर का हो चुका था। उसे नौकरी मिल जानी चाहिए थी। कांग्रेस पार्टी के युवा नेता राहुल गांधी बताएं कि ललित झा को यूपीए सरकार ने नौकरी क्यों नहीं दी, उसे बेरोजगार क्यों रखा? वैसे भी ललित बेरोजगार नहीं था। शिक्षक की नौकरी के साथ-साथ नीलाक्ष नाम के एनजीओ का महासचिव भी था।

संसद की सुरक्षा की चूक गंभीर मामला है। वो तो गनीमत है कि कोई अनहोनी नहीं हुई। इसमें रंच मात्र भी संदेह नहीं है कि संसद हमला भारत में अराजकता फैलाने का षड्यंत्र है। बेरोजगारी से इसका कोई संबध नहीं है। केवल युवाओं ही नहीं आम आदमी से जुड़े हर मुद्दे पर राजनीतिक दलों को सकारात्मक राजनीति करनी चाहिए। सत्ता में रहते हुए उन मुद्दों के ठोस समाधान की दिशा में प्रयास करना चाहिए। केवल राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु जनभावनाओं को भ ?काना और देश में अराजकता का वातावरण पैदा करने की दूषित राजनीति से राजनीतिक दलों को बाज आना चाहिए।

-डॉ. आशीष वशिष्ठ

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि मुनि यहाँ से नित्य नए-नए चरित्र देखकर जाते हैं और ब्रह्मलोक में जाकर सब कथा कहते हैं। ब्रह्माजी सुनकर अत्यंत सुख मानते हैं (और कहते हैं-) हे तात! बार-बार श्री रामजी के गुणों का गान करो॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सनकादिक नारदहि सराहहिं। जद्यपि ब्रह्म निरत मुनि आहहिं॥
सुनि गुन गान समाधि बिसारी। सादर सुनहिं परम अधिकारी॥
सनकादि मुनि नारदजी की सराहना करते हैं। यद्यपि वे (सनकादि) मुनि ब्रह्मनिष्ठ हैं, परंतु श्री रामजी का गुणगान सुनकर वे भी अपनी ब्रह्मसमाधि को भूल जाते हैं और आदरपूर्वक उसे सुनते हैं। वे (रामकथा सुनने के) श्रेष्ठ अधिकारी हैं॥
दो0- जीवनमुक्त ब्रह्मपर चरित सुनहिं तजि ध्यान।
जे हरि कथाँ न करहिं रति तिन्ह के हिय पाषान॥
सनकादि मुनि जैसे जीवन्मुक्त और ब्रह्मनिष्ठ पुरुष भी ध्यान (ब्रह्म समाधि) छोड़कर श्री रामजी के चरित्र सुनते हैं। यह जानकर भी जो श्री हरि की कथा से प्रेम नहीं करते, उनके हृदय (सचमुच ही) पत्थर (के समान) हैं॥
एक बार रघुनाथ बोलाए। गुर द्विज पुरबासी सब आए॥
बैठे गुर मुनि अरु द्विज सज्जन। बोले बचन भगत भव भंजन॥
एक बार श्री रघुनाथजी के बुलाए हुए गुरु वशिष्ठजी, ब्राह्मण और अन्य सब नगर निवासी सभा में आए। जब गुरु, मुनि, ब्राह्मण तथा अन्य सब सज्जन यथायोग्य बैठ गए, तब भक्तों के जन्म-मरण को मिटाने वाले श्री रामजी वचन बोले- ॥
सुनहु सकल पुरजन मम बानी। कहउँ न कछु ममता उर आनी॥
नहिं अनीति नहिं कछु प्रभुताई। सुनहु करहु जो तुम्हहि सोहाई॥
हे समस्त नगर निवासियों! मेरी बात सुनिए। यह बात मैं हृदय में कुछ ममता लाकर नहीं कहता हूँ। न अनीति की बात कहता हूँ और न इसमें कुछ प्रभुता ही है, इसलिए (संकोच और भय छोड़कर, ध्यान देकर) मेरी बातों को सुन लो और (फिर) यदि तुम्हें अच्छी लगे, तो उसके अनुसार करो!॥
सोइ सेवक प्रियतम मम सोई। मम अनुसासन मानै जोई॥
जौं अनीति कछु भाषौं भाई। तौ मोहि बरजहु भय बिसराई॥
वही मेरा सेवक है और वही प्रियतम है, जो मेरी आज्ञा माने। हे भाई! यदि मैं कुछ अनीति की बात कहूँ तो भय भुलाकर (बेखटके) मुझे रोक देना॥ क्रमश:....

राशिफल

मार्गशीर्ष शुक्ल-सप्तमी (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में नरम गरम। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
धन का आवक बढ़ेगा। निवेश करने से बचें। अपनों से तूतू-मैंमैं से बचें। स्वास्थ्य नरम गरम।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
ऊर्जा का संचार होगा। सेहत में सुधार होगा। प्रेम व संतान की स्थिति बहुत अच्छी है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
ऊर्जा का स्तर घटेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति पहले से बेहतर है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
आय में आशातीत बढ़ोतरी होगी। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। यात्रा सहयोग से लाभप्रद रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
लग्नेश वक्री हैं। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापारिक रूप से अच्छा समय कहा जाएगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
परिस्थितियां प्रतिकूल है। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान अच्छा व व्यापार भी अच्छी स्थिति में दिख रहा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। चली आ रही परेशानी दूर होगी। आनंदमय जीवन गुजारेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
स्वास्थ्य नरम गरम। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी। व्यापार भी अच्छा दिख रहा है। हरी वस्तु पास रखें।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय रहेगा। संतान पक्ष में ध्यान देने की आवश्यकता है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी संभव है। भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम-संतान अच्छा, व्यापार भी अच्छा है।

ग्रेटर नोएडा पहुंचे अखिलेश यादव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को ग्रेटर नोएडा शहर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी के भतीजे की शादी होने पर उनके ग्रेटर नोएडा की एटीएस पैराडिसो सोसाइटी स्थित आवास पर पहुँचकर नवदम्पति को आशीर्वाद प्रदान किया। उसके बाद उन्होंने मकोड़ा और पाली गांव का दौरा कर पार्टी के कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने के लिए निर्देशित किया। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार में गरीब, किसान, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और महिलाओं का शोषण हो रहा है। देश में महंगाई और बेरोजगारी चरम सीमा पर है।

उन्होंने कहा कि भाजपा अपने राजनीतिक हित के लिए संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। देश में लोकतंत्र की रक्षा के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना आवश्यक है।

चंद्र प्रकाश शर्मा बने सवर्ण आर्मी के प्रदेश सचिव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गाँव पचावर निवासी चंद्रप्रकाश शर्मा स्वर्ण आर्मी का प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। प्रदेश सचिव बनने पर सवर्ण समाज के विभिन्न लोगों द्वारा बधाईयां दी है। प्रदेश सचिव बनने पर चंद्रप्रकाश शर्मा ने कहा कि सवर्ण आर्मी सवर्णों की आवाज बन कर ,उनके हक और अधिकारों की आवाज उठा रहा है, सवर्णों के साथ दोहरी नीति अपनायी जा रही है। सवर्ण समाज का युवा आरक्षण से पीड़ित हो रहा है। बेकसूर लोगों को एससी एसटी ऐक्ट में जेल में डाला जा रहा है। समाज को एक मंच पर आकर आवाज उठानी होगी, बधाईयाँ देने वालों में जिला अध्यक्ष लोकेश ठाकुर, विनय शर्मा, पंकज राजपूत, सचिन राघव, यतीस उपमन्यु, मनोज शर्मा, कृष्णा उपमन्यु, कन्हैया उपमन्यु, श्याम शर्मा, सुरेश उपमन्यु, नरेंद्र राजपूत, आदि संगठन के कार्यकर्ता और समाज के युवा रहे।

छायसा पहुंची भाजपा की यात्रा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गांव नूरपुर एवं छायसा में विकसित भारत संकल्प यात्रा पहुंची गांव वालों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। नूरपुर में अभियान के जिला संयोजक रवि जिंदल, पार्टी के वरिष्ठ नेता देवा भाटी, कर्मवीर आर्य, कपिल गुर्जर, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य इंद्र नागर, शुरवीर गहलोत, प्रधान नोडल अधिकारी ओम प्रकाश पशुपालन विभाग अधिकारी डॉक्टर पायल गुप्ता, वृद्धावस्था पेंशन की 41 दिव्यांग पेंशन साथ पीएम किसान लाभार्थी 464 कृषि यंत्र लाभार्थी संख्या 8 सोलर पंप लाभार्थी कृषक संख्या एक राष्ट्रीय कृषि बीज भंडार से कृषि बीज उत्थान 15 एमसी चेक अप 55 लाभार्थी टीकाकरण के लिए 1 साल के बच्चे 85 ब्लड टेस्ट 50 पशु चिकित्सा 10 क्रमनाशक दवा पान 40 मौके पर प्राप्त सीसीसी 1 जोखिम प्रबंधन 2 आयुष्मान कार्ड 5 टीवी रोग चार पेशेंट अंतोदय राशन कार्ड 34 प्रचलित पात्र गृहस्थी राशन कार्ड 400 कल लाभार्थी 200 गांव के लोगों ने विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया गांव 600 में सदस्य जिला पंचायत देवा भाटी मुख्य अतिथि रहे। यहां पर नोडल अधिकारी राकेश यहाँ पर आयुष्मान कार्ड 5 बनाए गए आयुष्मान कार्ड लाभार्थी 179 वृद्धावस्था पेंशन 38 दिव्यांग पेंशन 25 गेहूं बीज वितरण 12 कुंतल कल कृषक संख्या 418 प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि कृषि विभाग कार्यक्रम में मुख्य रूप से अभियान के जिला संयोजक रवि जिंदल पार्टी के वरिष्ठ नेता कपिल गुर्जर, इंद्न नागर संदीप शर्मा कुड़ी खेड़ा सुदर्शन शर्मा प्रधान पुष्पेंद्र मलिक को हर घर नल योजना के तहत अभिनंदन पत्र दिया गया नवीन शर्मा पशुपालन विभाग की वरिष्ठ अधिकारी डॉक्टर पायल गुप्ता अखिलेश सिंह अनिल कुमार आदि अधिकारी और सैकड़ों ग्रामीण विकसित भारत संकल्प यात्रा में उपस्थित रहे।

सामुदायिक रेडियो 'सुनो शारदा' में हुआ जश्न

नोएडा (चेतना मंच)। सामुदायिक रेडियो सुनो शारदा 90.8 FM ने 8 साल पूरे किए और इस मौक़े पर टीम मेंबर्स और मीडिया स्टूडेंट्स ने मनोरंजक कार्यक्रम से साथ समुदाय के लोगों ने भी खूब गाने बजाने के साथ अपनी ख़ुशी ज़ाहिर की।

इस अवसर पर साथी रेडियो स्टेशन का भरपूर साथ और प्यार मिला। आठ साल के इस सफ़र में सुनो शारदा के लिस्नर्स, स्टूडेंट्स, कम्युनिटी मेंबर्स का भरपूर साथ मिला और इस सफ़र को दर्शाती एक किताब भी प्रकाशित हुई।

शारदा ग्रुप के उद्देश्य के साथ आगे बढ़ते हुए सुनो शारदा ने ज़मीनी इस्तर पर लोकल निवासियों को स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, क़ानूनी सलाह, कृषि जैसे मुद्दों पर जागरूकता फैलायी है और आज इस मौक़े पर एक बार फिर से सबने ठाना की आने वाले 2024 में विकसित भारत मिशन में एकजुट हो कार्य करेंगे और समुदाय की आवाज़ बनेंगे।

'नमो ऐप को डाउनलोड' करना हमारा अगला लक्ष्य : कांता कर्दम

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा के जिला कार्यालय पर नमो एप के संबंध में जिले बैठक की कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई। राज्य सभा सांसद कांता कर्दम ने बैठक को संबोधित किया। इसमें पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए सांसद कांता जी ने सभी पदाधकारी, जनप्रतिनिधि और मोर्चों को अपने-अपने कैंप लगाने के बारे में जानकारी दी जहां कैंपों के माध्यम से ज़्यादा से ज़्यादा नमो एप डाउनलोड करने का लक्ष्य रखा।

इसमें सांसदों को पांच कैंप, विधायकों को 25 कैंप, ब्लॉक प्रमुखों को 7 कैंप और जिला पंचायत अध्यक्ष को 5 कैंप लगाने होंगे। नमो एप डाउनलोड करनी होगी और प्रत्येक कार्यकर्ताओं को भी 10-10 लोगों के मोबाइल में नमो एप डाउनलोड करानी होगी। उन्होंने बताया कि अब लोकसभा चुनाव निकट आ चुका है और इस बार चुनावों में सबसे अधिक सोशल मीडिया की भूमिका रहेगी जहां नमो ऐप के माध्यम से सरकार के बारे में सभी जानकारी नमो ऐप से जानता को मिलती रहेगी।

बैठक में महामंत्री गणेश जाटव, उमेश त्यागी, डिम्पल आनंद, गिरजा सिंह युद्धवीर चौहान, गिरीश कोटनाला , महेश अवना, सुचित्रा कक्कड़, मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर, मंत्री एस पी चमोली, प्रमोद बेहाल, चमन आवाना, मनोज चौहान, मंडल अध्यक्ष अशोक मिश्रा, गोपाल गौड़, बबलू अध्यक्ष उमेश यादव, शारदा चतुर्वेदी, राम निवास यादव, अहसान ख़ान आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्रेयॉन्स स्कूल ने मनाया वार्षिक महोत्सव

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-6 स्थित इंदिरा गांधी कला केंद्र में क्रेयॉन्स स्कूल द्वारा वार्षिक महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्ले ग्रुप से क्लास 2 तक के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

वार्षिकोत्सव का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि डीडीआरडब्लूए के अध्यक्ष तथा भाजपा नेता ठाकुर एनपी सिंह, प्रिंसिपल अलका अवस्थी और इन्फ्लुएंसर नीना कपूर, क्रेयॉन्स स्कूल की प्रबंध निदेशक डॉ मौसमी सिन्हा, मयूर स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती शालिनी खन्ना, संजय शर्मा, जतीन करन सहगल ने दीप प्रज्वलित कर किया। वहीं कार्यक्रम की थीम अतुल्य भारत 'ससरंग' पर रखी गई। प्ले ग्रुप के बच्चों ने वेलकम सॉन्ग प्रस्तुत कर अभिभावक को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया।

प्रतिभावान विद्यार्थियों ने भारत के विभिन्न राज्यों की मनमोहक नृत्य शैलियाँ प्रस्तुत कीं। शो के बाद अभिभावकों को वार्षिक दिवस रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। मुख्य अतिथि और सम्मानित अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की।

सड़क किनारे अज्ञात शव मिला

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के इस्कॉन मंदिर के पास सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ मिला मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। थाना प्रभारी विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि किसी व्यक्ति ने पुलिस को सूचना दी कि इस्कॉन मंदिर से प्रकाश अस्पताल की तरफ जाने वाली सड़क पर एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कराने का प्रयास किया। लेकिन सफलता नहीं मिली। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उक्त व्यक्ति सड़कों पर घूमता रहता था। मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा।

यूपी के राशन कार्ड धारकों को मुफ्त में मिलेगा मोटा अनाज

लखनऊ (एजेंसी)। श्रीअन्न को लगातार बढ़ावा देने में लगी केंद्र सरकार ने आम लोगों के लिए श्रीअन्न का एक और उपहार दिया है। ज्यादा से ज्यादा लोग श्रीअन्न को अपने भोजन में शामिल कर सकें, इसलिए जनवरी में कड़ाके की सर्दी के बीच सभी राशन कार्ड धारकों को राशन की दुकानों से नि:शुल्क बाजरा दिया जाएगा। लेकिन जिन लोगों को राशन कार्ड नहीं बना है, उन्हें श्रीअन्न योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

जिले में 28,46,970 लोगों को बाजरा मिलेगा और इसके लिए कोटेदारों को चालान भी भेज दिए गए हैं। सर्दी में श्रीअन्न को भोजन में शामिल करना अच्छा है। वर्ष 2023 को श्रीअन्न वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसे देखते हुए आम लोगों को श्रीअन्न निश्शुल्क देने की तैयारी है। शहर में 7,40,164 राशनकार्ड हैं। इनमें 28,46,970 यूनिट हैं। अभी प्रति यूनिट दो किलो गेहूं, तीन किलो चावल निश्शुल्क दिया जाता है। कोटेदारों को जनवरी के लिए चालान जारी कर दिए गए हैं। यह उस माल का चालान है जो कोटेदारों को जारी किया जाता है और इसे भारतीय खाद्य निगम के गोदामों से उठाकर कोटेदारों को राशन कार्ड धारकों को वितरित करना होता है। इस चालान में बाजरा का भी उल्लेख किया गया है। किस कोटेदार को कितना बाजार दिया जा रहा है, यह भी उल्लेख है। सर्दियों में मोटा अनाज ज्यादा बिकता है। इसमें ज्वार, बाजरा, मक्का सबसे ज्यादा है। गल्ला के थोक कारोबारी अजय बाजपेई के मुताबिक अभी थोक बाजार में बाजरा 2,150 रुपये प्रति क्विंटल है। सर्दी में इसका भाव बढ़ने की उम्मीद लगाई जा रही थी लेकिन जिले में 28,46,970 लोगों तक निश्शुल्क बाजरा पहुंचने से बाजार में इसके भाव बढ़ने की उम्मीद खत्म हो गई है।

संबंध विच्छेद

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं बालेश्वर पुत्र श्री श्रीराम निवासी- ग्राम-शहदरा, थाना सेक्टर -144 नोएडा जिला गौतम बुद्धनगर (उत्तर प्रदेश) मेरा पुत्र सोनू व पुत्रवधू पूजा हमारी किसी भी बात को मानते नहीं है और हमारे साथ आए दिन लड़ाई झगड़ा मारपीट करते हैं। सोनू व पूजा को कई बार समझाने का प्रयास किया लेकिन सोनू व पूजा अपनी मनमर्जी करते हैं। इन्हीं सब बातों से परेशान होकर मैं अपने पुत्र सोनू व पुत्रवधू पूजा से संबंध- विच्छेद कर अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूं । आज के बाद सोनू व पूजा किसी से लेनदेन करते हैं या उनके किसी भी कृत्य के लिए वह लोग खुद जिम्मेदार होंगे।

विवाह गीत-'धरोहर' पुस्तक का हुआ विमोचन

मिर्जापुर(चेतना मंच)। विन्ध्येश्वरी साहित्यिक मंच के तत्वावधान में रविवार को राम चंद्र शुक्ल स्मारक शिक्षण संस्थान में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि दिल्ली से पधारे राष्ट्रीय कवि पं. अनित्य नारायण मिश्र एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों का अभिनंदन माल्यार्पण, शॉल भेंटकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया गया। विंध्यवासिनी महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ नीरज त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित उक्त कवि सम्मेलन के मंच पर जौनपुर की डॉ संगीता पाल के संपादन में प्रकाशित पुस्तक विवाह गीत (लोकगीत संकलन) का विमोचन भी मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों हरीश भारद्वाज 'निर्मल'(नई दिल्ली) डॉ. मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव 'शिखर' (गाज़ियाबाद), राकेश शुक्ल, (प्रबंधक, आचार्य रामचंद्र शुक्ल स्मारक शिक्षण संस्थान), सुरेश त्रिपाठी (पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष), बीएसएनएल के अपर महाप्रबंधक अमृतेश कुमार एवं अभासाप के अध्यक्ष राजपति ओझा के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ।

मुख्य वक्ता भोलानाथ कुशवाहा (वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार) ने विमोचित पुस्तक की समीक्षा की। कवि सम्मेलन में डॉ. नीरज त्रिपाठी, पं अनित्य नारायण मिश्र, भोनानाथ कुशवाहा, डॉ मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव 'शिखर', हरीश भारद्वाज 'निर्मल', लालब्रत सिंह सुमन, हसन जौनपुरी, मुहिब मिर्जापुरी, गुमनाम मिर्जापुरी, डॉ. सुधा सिंह, सृष्टि राज, नंदिनी वर्मा, पूजा यादव, अश्क, गफ्फार नियाज़ी, हरिराम द्विवेदी इत्यादि ने अपने काव्यपाठ के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर खूब वाहवाही लूटी।

कवि सम्मेलन से पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। इस धरोहर कार्यक्रम में विवाह गीत के संकलित गीतों को विभिन्न महिला समूहों व विद्यालयों के बच्चियों द्वारा संगीतमय गाकर सुनाया गया। विमोचन के उपरांत अपने वक्तव्य में मुख्य अतिथि ने कहा कि विवाह गीत हमारे सांस्कृतिक धरोहर हैं जिन्हें संकलित करके डॉ संगीता पाल ने देश की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का कार्य किया है। अध्यक्षता कर रहे नीरज त्रिपाठी ने कहा कि विवाह में गाये जाने वाले गीत सुनने में मीठे और कर्णप्रिय होते हैं। ये गीत समाज को शिक्षित भी करते हैं। साथ ही मुख्य वक्ता भोलानाथ कुशवाहा ने कहा कि विवाह गीत में भारतीय समाज में चली आ रही परंपराएं जीवंत हो रही हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव 'शिखर' ने कहा कि लोक-साहित्य हमारे धरोहर हैं जो लुप्त होने के कगार पर हैं।

कार्यक्रम का संचालन आनंद अमित व पूजा यादव ने संयुक्त रूप से किया तथा अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन राकेश शुक्ल ने किया।

कार्यक्रम में सुमन, श्रीमती मोहिनी, श्रीमती लक्ष्मी, श्रीमती सावित्री, श्रीमती प्रज्ञा, पूनम, आँचल, महक, साधना, सपना, रिया, कोमल, मुस्कान, अलीशा, खुशबू, नंदिनी, अंशिका, श्रीमती रंजना, श्रीमती नीलम, श्रीमती नंदिनी वर्मा, आनंद केशरी, मेवालाल प्रजापति, दीना प्रजापति, आशीष चंद्र शुक्ल (प्रधानाचार्य), राजकुमार आदि उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत मनुष्य को निर्भय बनती है : पं. जीवेश कुमार शास्त्री

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 74 सुपरटेक केपटाउन ऑथर्टी पार्क के सामने चल रही श्रीमद् भागवत में पंडित जीवेश कुमार शास्त्री ने भागवत कथा के लाभ बताते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत का आश्रय लेने से निर्भरता प्राप्त होती है वह बिना प्रभु में प्रीति नहीं हो सकती। निर्भय होना है तो पाप छोड़ दो श्रीमद् भागवत हमें निर्भय बनती है काम का नाश करके भक्ति और प्रेम में जीवन जो जीता है वह कल पर भी विजय प्राप्त करता है।

श्रीमद् भागवत कथा में पंडित जीवेश कुमार शास्त्री ने श्रद्धालुओं से कहा कि ईश्वर से प्रेम किए बिना यह काम क्रोध आज विकार जाते नहीं है। पाप करने में मनुष्य जितना साधन रहता है उतना पुण्य करने में नहीं रहता है इसी कारण उसे अंत काल में पापों की याद आती है और इसी से जी घबराता है क्योंकि उसको अपने किए हुए पाप प्रत्यक्ष दिखाई देते हैं।

उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत की कथा सुनो तो अनायासी समाधि लग जाती है योग और तप के बिना ही श्री भगवान से मिलने का कोई साधन है तो वह श्रीमद् भागवत कथा श्रवण है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के सोमवार को नोएडा दौरे के दौरान फेलिक्स अस्पताल के निदेशक डा. डी.के. गुप्ता व उनकी धर्मपत्नी डा. रश्मि गुप्ता ने भी अखिलेश यादव से भेंट कर उनका नोएडा आगमन पर स्वागत किया।

ग्रेटर नोएडा के कोई भी स्कूल बिना बाउंड्री के न रहें: सीईओ

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा के स्कूलों की समीक्षा की। सीईओ ने परियोजना विभाग को कड़े निर्देश दिए कि कोई भी स्कूल बिना बाउंड्री के न रहें। उन्होंने प्राधिकरण, शिक्षा विभाग और सीएसआर की मदद से इन सभी स्कूलों को चमकाने के निर्देश दिए।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने एसीईओ मेधा रूपम और एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग की मौजूदगी में सोमवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार और परियोजना विभाग की टीम के साथ ग्रेटर नोएडा एरिया में स्थित स्कूलों की समीक्षा की। इन स्कूलों में होने वाले कार्यों के हिसाब से 19 पैरामीटर तय किए गए हैं, जिनमें शुद्ध पेयजल, शौचालय, शौचालयों में जलापूर्ति, शौचालयों में टाइल्स लगाना, दिव्यांग सुलभ शौचालय, मल्टी हैंडवाश यूनिट, कक्ष के फर्श पर टाइल्स लगाना, श्यामपट्ट, रसोईघर, रंगाई-पुताई, दिव्यांगों के लिए सुलभ रैंप, कक्षा में विद्युतीकरण, फर्नीचर, गेट, चारदीवारी आदि शामिल हैं। सीईओ ने परियोजना विभाग को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने वर्क सर्किल में स्थित प्रत्येक स्कूलों का सर्वे करें। किस स्कूल में क्या काम कराया जाना है, इसकी लिस्ट बना लें। एस्टीमेट तैयार कर टेंडर प्रक्रिया को पूरा कर ही शीघ्र काम शुरू करा दें। सीईओ ने इन कार्यों के लिए सीएसआर से सहयोग लेने के निर्देश दिए। बता दें, कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के प्रयास से बिरौंडा व खैरपुर गुर्जर के सरकारी स्कूलों को सीएसआर फंड से कई सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इसी तरह फेडरल बैंक के सीएसआर फंड से नवादा, ऐमनाबाद और गढी समस्तीपुर के स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस शुरू की गई हैं। समीक्षा बैठक में सीईओ ने कहा कि गांवों में प्राथमिक स्कूलों का कायाकल्प करना पहली प्राथमिकता है। इसलिए सभी वर्क सर्किल अपने एरिया के स्कूलों को ठीक से सर्वे कर लें और तय पैरामीटर के हिसाब से शीघ्र काम शुरू करा दें। इस काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कक्षा से लेकर ग्राउंड और शौचालयों तक, सभी को चमकाने के निर्देश दिए। सीईओ ने कहा कि अगर संभव हो तो सोलर पंप लगाकर शौचालयों में पानी का इंतजाम करें, ताकि बिजली के बिल जमा करने का झंझट ही न रहे।

महिला की हत्या का मुकदमा दर्ज, नहर में मिला था शव

ग्रेटर नोएडा। थाना दादरी क्षेत्र में बीते दिनों नहर से बरामद महिला के शव के मामले में पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला के सर में गंभीर चोट की बात सामने आई है।

थाना प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि बीते दिनों कोट नहर से एक महिला का सड़ा गला शव बरामद हुआ था। शव का पंचनामा भरकर पुलिस ने उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की मौत सर में गंभीर चोट की वजह से होना आया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि महिला की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। आसपास के थाना क्षेत्र की पुलिस को भी महिला के शव की जानकारी दे दी गई थी लेकिन पुलिस को अभी कोई सुराघाट नहीं लगे हैं। महिला की सनक्त करने के लिए पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है।

तलवार से काटकर की पत्नी की हत्या

गाजियाबाद (चेतना मंच)। मोदीनगर के भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव फलजगढ़ में सिरफिरे पति धर्मवीर ने पत्नी सुंदरी(50) की तलवार से वार कर मंगलवार सुबह हत्या कर दी। वारदात को अंजाम चाय देरी से बनाने को लेकर दिया गया। सुंदरी की चीख सुनकर जब बच्चे मौके पर पहुंचे तो धर्मवीर ने उनपर भी वार किए।

गनीमत रही कि उन्हें चोट नहीं आई। पुलिस ने आरोपित को पकड़ लिया है। आलाकत्ल तलवार मौके से बरामद हो गई है। मूलरूप से मेरठ जिले के परतापुर थाना क्षेत्र स्थित गांव कलंजरी का धर्मवीर बीस साल पहले यहां भोजपुर के गांव फजलगढ़ में रह रहा था। वह सब्जी बेचता था। पत्नी सुंदरी व छह बच्चों के साथ रहता था। मंगलवार सुबह सुंदरी चाय बनाने के लिए छत पर चूल्हे के पास बैठी थी। इसी बीच आरोपित वहां आया तो चाय मांगने लगा। चाय बनाने में देरी हुई तो दोनों के बीच कहासुनी हो गई। गुस्साए धर्मवीर ने पास में पड़ी तलवार लेकर सुंदरी के गले पर ताबड़तोड़ कर दिए।

चीख सुनकर बच्चे मौके पर पहुंचे तो आरोपित ने उनपर भी वार किए। अधिक खून बहने से मौके पर ही सुंदरी की मौत हो गई। सूचना पर एसीपी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव पोस्टमार्टम को भेजा। बेटे सोल्जर उर्फ कालू की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है।

पृष्ठ एक के शेष....

संसद की सुरक्षा में चूक...

के लिए उज्ज्वल भविष्य बनाना है।

पीएम मोदी ने कहा कि कुछ दल एक तरह से संसद में सुरक्षा उल्लंघन का समर्थन कर रहे हैं, यह संसद की सुरक्षा उल्लघंन जितना खतरनाक है। लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी लोगों को संयुक्त रूप से संसद में सुरक्षा उल्लंघन की निंदा करनी चाहिए।

बीजेपी संसदीय दल की बैठक में पीएम ने कहा कि विपक्ष का आचरण सुनिश्चित करेगा कि 2024 के चुनावों में उसकी संख्या कम होगी और भाजपा को संख्या में लाभ होगा। विधानसभा चुनाव में हार से विपक्ष बौखला गया है और हताशा में संसद को बाधित कर रहा है।

बता दें कि संसद सुरक्षा चूक की घटना को लेकर विपक्षी सांसदों ने लोकसभा और रायसभा में हंगामा किया था, जिसके बाद दोनों सदनों के 78 विपक्षी सदस्यों को निलंबित कर दिया गया। इससे पहले 14 सांसदों पर कार्रवाई की गई गई थी। अब तक 141 विपक्षी सदस्यों को निलंबित किया जा चुका है।

ग्रेटर नोएडा के अंसल...

प्राधिकरण अधिकारियों ने अभियान के तहत अवैध गतिविधियां चलाने के आरोप में सीलिंग की कार्रवाई की।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण डिवीजन-4 के सीनियर मैनेजर नागेंद्र सिंह के नेतृत्व में प्राधिकरण अधिकारियों की टीम आज अंसल गोल्फ कोर्स लिंक- 1 सोसायटी पहुंची। प्राधिकरण की टीम ने यहां बिना अनुमति के अवैध रूप से होटल, रेस्टोरेंट व पीजी चलाने वाले आवंटियो के खिलाफ कार्रवाई करनी शुरू की। प्राधिकरण अधिकारियों ने पूर्व में चिह्नित किए गए मकान को सील करना शुरू किया। प्राधिकरण की इस कार्रवाई से सोसाइटी में हड़कंप मच गया। अधिकतर आवंटियों का कहना था कि उन्हें इस कार्रवाई से पूर्व कोई नोटिस नहीं दिया गया है। कई आवंटियों ने प्राधिकरण अधिकारियों के कार्यवाही का विरोध करना चाहा लेकिन भारी पुलिस बल के सामने उनकी एक नहीं चली।

प्राधिकरण अधिकारियों का कहना है कि सोसाइटी में करीब 88 लोग अवैध रूप से अवैध गतिविधियां चला रहे हैं। इन्हें पूर्व में कई बार नोटिस दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद भी उन्होंने अवैध गतिविधियां बंद नहीं की। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बायोलॉज के मुताबिक अवैध गतिविधियां चलाने के आरोप में आवंटी के मकान के सील करने की कार्रवाई की जा रही है समाचार लिखे जाने तक 11 मकान को प्राधिकरण अधिकारियों की टीम ने सील कर दिया था। इस मौके पर डिवीजन-4 के मैनेजर सुरेंद्र भाटी, जेई हरेंद्र सहित प्राधिकरणकर्मी व पुलिसकर्मी मौजूद थे।

फ्लैट पर लगी सील...

प्राधिकरण वर्क सर्कल एक के सहायक प्रबंधक नाजिम खान ने आशीष चौधरी, पूजा चौधरी तथा पूनम शर्मा के खिलाफ सरकारी सील को तोड़ने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि सेक्टर-16 में व्हाइट ऑर्किड गौर सिटी दो सोसाइटी के फ्लैट संख्या 101 में 102 पर आवंटियों ने अनाधिकृत रूप से लोहे की सीढ़ी बनाकर दुकानों के टेरेस से दोनों फ्लैटों में दो दरवाजे अनाधिकृत रूप से खोल लिए थे। आवंटियों ने बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन कर अतिक्रमण किया था इस बात की जानकारी मिलने पर ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण की तरफ से आवंटियों को अनधिकृत निर्माण को हटाने के लिए नोटिस जारी किए गए इसके बावजूद भी आवंटियों ने अवैध निर्माण को नहीं हटाया। बीते 29 नवंबर को प्राधिकरण की टीम ने अनाधिकृत रूप से बनाई गई लोहे की सीढ़ी को ध्वस्त करते हुए अवैध रूप से खोले गए दरवाजा को सील कर दिया था।

प्राधिकरण द्वारा फ्लैट पर लगाई गई सील को आवंटी आशीष चौधरी, पूजा चौधरी तथा पूनम शर्मा ने गैरकानूनी तरीके से तोड़ दिया। इस बात की जानकारी मिलने पर इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

आज फिर 49 सांसद...

कुमार, संतोष कुमार, दुआल चंद्र गोस्वामी, रवनीत बिट्टू, दिनेश यादव, के सुधाकरन, मोहम्मद सादिक, एमके विष्णु प्रसाद, पीपी मोहम्मद फैजल, साजदा अहमद, जसवीर सिंह गिल, महाबली सिंह, अमोल कोल्हे, सुशील कुमार रिंकू, सुनील कुमार सिंह, एचटी हसन, एम धनुष कुमार, प्रतिभा सिंह, थोल थोलमावलम, चंद्रेश्वर प्रसाद, आलोक कुमार सुमन, दिलेश्वर कामत के नाम शामिल हैं। जिन्हें निलंबित किया गया है।

घर-घर तक पहुंचाया...

कि हमारे देश में दो देश हैं। एक देश है भारत। भारत वह हिस्सा है जो गांवों में रहता है। यह भारत का 85 प्रतिशत हिस्सा है। दूसरा है इंडिया। इंडिया शहरी क्षेत्र का नाम है। इंडिया देश का 15 प्रतिशत भाग है। चौधरी चरण सिंह का साफ मत था कि भारत की सरकारों ने इंडिया की चिंता की है, भारत की चिंता नहीं की गई। भारत की उन्नति के लिए चौधरी चरण सिंह के इन्हीं तमाम विचारों को घर-घर तक पहुंचाने के मकसद से उनकी 121वीं जयंती (जन्मदिवस) के अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) ने चौधरी चरण सिंह किसान संदेश यात्रा शुरू की है। यह यात्रा सहारनपुर से शुरू होकर पूरे प्रदेश में जा रही है। 21 दिसंबर को किसान संदेश यात्रा ग्रेटर नोएडा में पहुंचेगी।

आरएलडी के जिलाध्यक्ष जर्नादन भाटी ने बताया कि किसानों के मसीहा स्वर्गीय चौ. चरण सिंह जी (पूर्व प्रधानमंत्री) के 121वीं जयंति के अवसर पर किसान संदेश यात्रा 10 दिसंबर 2023 से सहारनपुर से आरंभ हुई है। यह यात्रा 21 दिसंबर 2023 को ग्रेटर नोएडा पहुंच रही है। किसान संदेश यात्रा के भव्य स्वागत के लिए रूट तैयार किया गया है। ग्रेटर नोएडा में यह यात्रा खेरली नहर (समय - दोपहर 12 बजे) से चलकर परी चौक होते हुए, दादरी शहर से लाल कुआ, गाजियाबाद जाएगी। किसानों के मसीहा चौ. चरण सिंह जी संदेश यात्रा का ग्रेटर नोएडा में भव्य स्वागत किया जाएगा। सैकडों राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकर्ता व जिले के निवासी इसमें भाग लेंगे।

चौ. चरण सिंह जी संदेश यात्रा की तैयारी के लिए हुई बैठक में श्रीमती हेमा पाठक, मनवीर भाटी , हरवीर सिंह तालान, श्रीमति प्रियंका अत्रि , बिजेंद्र यादव, जोगेंद्र तालान, आजाद मलिक, राहुल भाटी, अनिल चौधरी, राजेन्द्र भाटी, गजेंद्र चौधरी, सुशील भाटी, अवनीश मंत्री, जसवीर भाटी, गौरव आजाद, भूपेंद्र भाटी व आदि उपस्थित रहे।

एनटीपीसी के बाहर...

सामान मुआवजे सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

बता दें कि भारत किसान परिषद के बैनर तले दादरी एनटीपीसी से प्रभावित 24 गांवों के किसान सोमवार से सेक्टर-24 स्थित एनटीपीसी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे हुए हैं। बीती रात भी बड़ी संख्या में किसान धरना स्थल पर ही रुक जिनमें वृद्ध महिलाएं व बच्चे भी शामिल थे। ठंड अधिक होने के कारण धरने पर बैठे कई लोगों की तबीयत बिगड़ गई आज सुबह उन्हें उपचार के लिए सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल ले जाया गया। बीमार किसानों के साथ पहुंचे किसान नेता सुखबीर खलीफा ने अस्पताल में पर्याप्त संसाधन न होने तथा अव्यवस्थाओं पर रोष जताया।

उन्होंने कहा कि किसानों को सही तरीके से उपचार तक नही मिल पा रहा है। बड़ी संख्या में किसानों के बीमार होने से अन्य किसानों में खास रोष व्याप्त है। किसानों का कहना है कि जब तक उनकी सभी मांगे पूरी नहीं होंगी तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। किसानों के धरने प्रदर्शन की वजह से एनटीपीसी के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

मकान से लैपटॉप...

इस दौरान उसके घर में दो युवक घुसे और कमरे में रखे लैपटॉप आईपैड व फोन को चोरी करने गए। कुछ देर बाद जब वह नहा कर बाहर आया तो उसे लैपटॉप पर अन्य सामान गायब मिला। अभिषेक राय के मुताबिक दोनों चोरों द्वारा की गई चोरी की पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। पीड़ति के मुताबिक उसने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी थी। थाना प्रभारी ने बताया कि जांच पड़ताल के बाद चोरी के इस मामले को दर्ज कर लिया गया है।

प्राधिकरण की जमीन...

कृषकों का भूस्वामियों द्वारा किया जा रहा उक्त निर्माण अवैध निर्माण की श्रेणी में आता है जो उत्तर प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र विकास अधिनियम 1976 की धारा 10 का उल्लंघन है। थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है। वहीं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अधिकारियों द्वारा की गई इस कार्रवाई से अवैध निर्माण कर रहे लोगों में हड़कंप मच गया है।

नशे का शौक पूरा...

लिया पकड़े गए बदमाश की पहचान अमन यादव पुत्र अजय उर्फ एजेंट यादव निवासी ग्राम गढ़ी चौखंडी के रूप में हुई। इसके पास से तमंचा, कारतूस, बाइक व तीन मोबाइल फोन बरामद हुए।

एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए अमन यादव पर करीब आधा दर्जन मुकदमे दर्ज हैं और यह नशे का आदी है। नशे का शौक पूरा करने के लिए अमन यादव लूट व चोरी की वारदात को अंजाम देता है। अमन की अपराधिक प्रवृत्ति को देखकर उसकी विधवा मां ने उसे संपत्ति से बेदखल कर रखा है। अमन यादव पर लूट व चोरी के करीब आधा दर्जन मुकदमे पंजीकृत हैं घायल अमन को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तनाव, चिंता, अवसाद... जानें इनसे निपटने के अलग-अलग तरीके

कोविड-19 महामारी के कालखंड में हम सभी अलग-अलग स्तर पर तनाव (stress), चिंता (anxiety) और अवसाद (depression) के दौर से गुजरे हैं। आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगभग 4.57 करोड़ लोग डिप्रेशन से पीड़ित हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी एक वैज्ञानिक ब्रीफ के अनुसार, विश्व भर में कोविड-19 महामारी के बाद, अवसाद और चिंता के प्रसार में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत में महामारी के बाद, तनाव, अवसाद और चिंता का प्रसार क्रमशः 61 प्रतिशत, 33 प्रतिशत और 34 प्रतिशत पर है। इस प्रकार हम देखें तो चिंता, अवसाद और तनाव दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा बन गए हैं।

इन समस्याओं से निपटने के लिए पहले हमें यह समझने की आवश्यकता है कि इन्हें कैसे पहचाना जाए और इनके बीच अंतर कैसे किया जाए। तनाव को किसी भी प्रकार के परिवर्तन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो शारीरिक, भावनात्मक या मनोवैज्ञानिक तनाव का कारण बनता है। तनाव आपके शरीर की किसी भी चीज के प्रति प्रतिक्रिया है जिसके लिए ध्यान या कार्रवाई की आवश्यकता होती है। हर कोई किसी न किसी हद तक तनाव का अनुभव करता है। हालांकि, यह महत्वपूर्ण है कि जिस तरह से आप तनाव को लेकर प्रतिक्रिया देते हैं, वह आपके ओवरऑल जीवन में बड़ा अंतर पैदा करता है।

तनाव के सामान्य लक्षण

- मांसपेशियों में दर्द और सिरदर्द
- धड़कन का बढ़ना
- भूख कम लगना या बढ़ना
- बर्न-आउट जैसा महसूस होना

चिंता डर और शोक की भावना है कि कुछ अप्रिय या प्रतिकूल होगा। इसकी विशेषता यह है कि इसमें तनाव और चिंतित विचारों की भावनाओं की अभिव्यक्ति होती है। चिंता एक नकारात्मक प्रकृति के विचारों, इमेज, भावनाओं और कार्यों को दोहराए जाने वाले बेकाबू तरीके को बताती है जो उम्मीद के मुताबिक आँके गए खतरों और उनके संभावित परिणामों से बचने या हल करने के लिए किए गए एक सक्रिय संज्ञानात्मक जोखिम विश्लेषण से उत्पन्न होती है। अक्सर, चिंतित लोग अचानक और तीव्र भय पैदा करने वाले चिंता के दौरों का अनुभव कर सकते हैं। चिंता की ये भावनाएँ कई बार अनियंत्रित हो सकती हैं और दैनिक गतिविधियों में बाधा उत्पन्न कर सकती हैं।

चिंता के सामान्य लक्षण

- ज्यादातर समय तनाव, बेचैनी या घबराहट महसूस होना
- किसी आसन्न खतरे के भय का आभास होना

- तेजी से सांस लेना (हाइपरवेंटिलेशन)
- सोने और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई
- अत्यधिक पसीना आना और कांपना

अवसाद अर्थात डिप्रेशन एक मूड डिसऑर्डर है जो लगातार उदासी और मन न लगने की भावना का कारण बनता है। आगे बढ़ने पर इसे अवसादग्रस्तता विकार या नैदानिक अवसाद के रूप में भी जाना जाता है। यह प्रभावित करता है कि आप कैसा महसूस करते हैं, सोचते हैं और व्यवहार करते हैं और विभिन्न प्रकार की भावनात्मक और शारीरिक समस्याएं पैदा कर सकते हैं। आपको दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों को पूरा करने में परेशानी हो सकती है और कभी-कभी आपको ऐसा महसूस हो सकता है कि जीवन जीने लायक नहीं है। हालांकि डिप्रेशन आपके जीवन में केवल एक बार हो सकता है, पर लोगों में आमतौर पर इसके कई एपिसोड देखे गए हैं। इनके दौरान, लक्षण अधिकांश दिन, लगभग हर दिन होते हैं।

अवसाद के लक्षण

- उदासी, आंसू आना, खालीपन या निराशा की भावना
- गुस्से का इजहार, चिड़चिड़ापन या हताशा, छोटी-छोटी बातों पर भी झल्लाहट
- सेक्स, शौकिया चीज या खेल या अन्य सामान्य गतिविधियों में कोई इंटेरेस्ट न दिखाना
- नींद में गड़बड़ी, जिसमें अनिद्रा या बहुत अधिक सोना शामिल है
- थकान और ऊर्जा की कमी, छोटे छोटे कार्यों में भी अतिरिक्त प्रयास करना पड़ता है
- भूख में कमी और वजन में कमी या भोजन में वृद्धि और वजन बढ़ना
- चिंता और बेचैनी

चूंकि तनाव, चिंता और अवसाद के कुछ लक्षण कॉमन हैं, इसलिए, प्रोफेशनल की मदद के बिना इनकी सही पहचान करना मुश्किल है। तनाव, चिंता और अवसाद के उपचार में जीवन शैली में बदलाव, ध्यान और ध्यान का अभ्यास, टॉक थेरेपी, दवा या इनके मिले जुले प्रयास शामिल हैं।

कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी एक प्रकार की टॉक थेरेपी है जो हमें तनाव, चिंता या अवसाद से बचने के लिए अलग तरह से सोचना और व्यवहार करना सिखाती है। हम जीवन को हाँ कह सकते हैं और मानसिक स्वास्थ्य और तंदुरूस्ती को प्राथमिकता बनाकर पूरी तरह से जी सकते हैं।

डॉ. सी आर चंद्रशेखर, सलाहकार मनोचिकित्स्क, समाधान परामर्श केंद्र

सीमित समय के लिए व्यायाम कर टल सकता है अकाल मौत का खतरा

हममें से अधिकतर लोग इस बात से वाकिफ हैं कि नियमित व्यायाम हमारे स्वास्थ्य व दीर्घायु जीवन के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन व्यस्त दिनचर्या के कारण कई लोग व्यायाम के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं। हालांकि, एक नए अध्ययन के अनुसार कई अंतराल में सीमित समय के लिए व्यायाम कर भी आप बेहतर स्वास्थ पा सकते हैं। अध्ययन में पाया गया कि जो लोग बिल्कुल भी व्यायाम नहीं करते उनकी तुलना में पूरे दिन में कम से तीन या चार मिनट के लिए किसी तरह की कठोर शारीरिक गतिविधि करने से समय से पहले (अकाल) मौत का खतरा कम हो सकता है। अध्ययन में हमने यूके बायोबैंक अध्ययन से 25,241 प्रतिभागियों को शामिल किया, जिन्होंने बताया कि वे सप्ताह में एक बार से अधिक कोई व्यायाम या सैर-सपाटा नहीं करते हैं। इनमें से करीब 56 प्रतिशत प्रतिभागी महिलाएं थीं, जिनकी औसत आयु लगभग 62 वर्ष थी।

व्यायाम के सटीक स्तर का पता लगाने के लिए हमने प्रतिभागियों को स्मार्टवॉच जैसे फिटनेस ट्रैकर दिए, जिसे उन्होंने एक सप्ताह तक कलाई पर बांधे रखा।

इसने हमें उनकी पूरे दिन की गतिविधियों के सटीक स्तर का पता लगाने में मदद मिली...क्योंकि लोगों के लिए अपनी सभी गतिविधियां याद रखना आसान नहीं होता। फिर हमने अध्ययन की शुरुआत में एकत्र किए गए आकंड़ों को प्रतिभागियों के क्लिनिकल रिकॉर्ड के साथ औसतन लगभग सात वर्षों के बाद जोड़ा। इससे हमें यह पता लगाने में मदद मिली की यदि किसी प्रतिभागी का इस दौरान निधन हुआ था और हुआ था, तो उसकी वजह क्या थी।

हमने उन कारकों, जैसे किसी व्यक्ति के खानपान और उसके धूम्रपान करने से संबंधित आंकड़ों का सांख्यिकीय रूप से विश्लेषण करने की कोशिश की। हमने अध्ययन में उन प्रतिभागियों के आंकड़ों को शामिल नहीं किया, जिन्हें कैंसर या हृदय संबंधी कोई बीमारी हो गई। इन सात वर्ष में जिन प्रतिभागियों की मौत पहले दो वर्ष में हो गई उनके आंकड़े भी अध्ययन में शामिल नहीं किए गए। इससे हमें यह सुनिश्चित करने में मदद मिली कि अध्ययन के नतीजे वैज्ञानिक आधार पर अधिक सटीक हों।

औसतन प्रतिभागियों ने हर दिन आठ बार थोड़-थोड़े समय (साढ़े चार मिनट के लिए) के लिए व्यायाम किया। इस प्रकार की शारीरिक गतिविधि के कुछ उदाहरण बच्चों व पालतू जानवरों के साथ खेलना, खरीदारी करना, तेजी से उंन्नाई पर जाना या ट्रेन पकड़ने के लिए दौड़ना आदि है। अध्ययन में पाया गया कि हर दिन चार बार थोड़े समय के लिए ऐसी गतिविधियां करने से समय से पूर्व (अकाल) मौत के 40 प्रतिशत की कमी आई, यहां तक कि कैंसर के मामलों में भी। इससे हृदय संबंधी बीमारी से मौत का खतरा भी 49 प्रतिशत कम हुआ।

द कन्वरसेशन

गुड न्यूज

महिलाओं को प्रसव के दौरान दर्द बर्दाश्त करने की जरूरत नहीं

कुछ संस्कृतियों में महिलाओं से बुरी तरह चीखने और रोने की उम्मीद की जाती है जबकि कुछ अन्य देशों में महिलाओं से अपनी प्रसव पीड़ा व्यक्त न करने की उम्मीद की जाती है। कुछ महिलाएं प्रसव के दौरान दर्द निवारक लेने से इंकार कर देती है क्योंकि वे मानती है कि यह दर्द प्राकृतिक है। कुछ महिलाओं को लगता है कि दर्द निवारक लेने से बच्चे को नुकसान पहुंचता है।

ईसाई धर्म में प्रसव पीड़ा को ईश्वर के प्रति अवज्ञाकारी होने के लिए महिलाओं को सजा के तौर पर संदर्भित किया गया है। उत्तरी नाइजीरिया के हौसा लोगों में दर्द का कोई संकेत न देने का बड़ा सामाजिक दबाव होता है। उनमें प्रसव पीड़ा को चुपचाप सहने का रिवाज है। नाइजीरिया की फुलानी लड़कियों को कम उम्र से ही यह सिखाया जाता है कि प्रसव के दौरान डर दिखाना या रोना कितना शर्मनाक है। दक्षिणी नाइजीरिया के बोनी लोगों को यह सिखाया जाता है कि जब कोई महिला प्रसव के दौरान दर्द सहती है तो यह दिखाता है कि वह एक महिला के तौर पर कितनी मजबूत और सक्षम है। उन्हें यह बताया जाता है कि चीखने-चिल्लाने से दर्द कम नहीं हो सकता इसलिए बेहतर है कि इसे चुपचाप सहा जाए।

दर्द से राहत पाना मां और बच्चे के लिए सुरक्षित होने के बावजूद ब्रिटिश प्रसूति विशेषज्ञ मैरी मैक्कोले तथा उनके सहकर्मियों के एक अध्ययन में पाया गया कि इथियोपिया में आधे से ज्यादा स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर दर्द निवारक का बच्चे, मां और प्रसव की प्रक्रिया पर होने वाले असर को लेकर चिंतित थे। दक्षिण-पूर्वी नाइजीरिया में एक अध्ययन में पाया गया कि मां बनने वाली केवल 39.5 प्रतिशत महिलाओं को प्रसव पीड़ा से राहत पाने के बारे में जानकारी थी। बच्चे को जन्म देने के दौरान दर्द निवारक के अधिक इस्तेमाल में अहम बाधा जागरूकता की कमी है। अगर प्रसूति विशेषज्ञ दर्द से राहत पाने के विकल्पों पर चर्चा करते हैं तो इससे महिलाओं को प्रसव का बेहतर अनुभव मिल सकता है।

केस स्टडी

चोट एवं कटे अंगों को ठीक किया गया

विनोद रोजाना मजदूरी करके अपनी आजीविका कमाते थे और उन्होंने एक जानलेवा दुर्घटना में अपनी दोनों टांगें एवं एक बाजू खो दी थी। सर गंगाराम अस्पताल में उनकी दायीं बाजू की मोबिलिटी लौटाने, सिर (स्कल) की चोट एवं कटे अंगों को ठीक करने के लिए अपनी तरह की पहली सर्जरियां की गईं, क्योंकि हाथ-पैर काटने के बाद उनमें गंभीर सेप्टीसीमिया हो गया था। रेलीगेयर केयर फाउंडेशन ने विनोद को सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया। डॉ महेश मंगल, सीनियर प्लास्टिक एण्ड कॉस्मेटिक सर्जन, सर गंगा राम हॉस्पिटल, जिन्होंने विनोद की सर्जरी की, उन्होंने कहा, 'शुरुआत में यह मामला हमारे लिए बेहद चुनौतीपूर्ण था, उनके शरीर के विभिन्न अंगों में इन्फेक्शन को कंट्रोल करना था और साथ ही उनके दाएं हाथ को रीकन्स्ट्रक्ट भी करना था, ताकि उनका हाथ फिर से काम कर सके। इन सभी चुनौतियों के बावजूद हमने पूरी कोशिश की, उनकी दायीं बाजू में माइक्रोवैस्कुलर सर्जरी की गई, जो आठ घंटे तक चली। डॉ सलूजा ने खुद सुनिश्चित किया कि विनोद की मोबिलिटी फिर से लौट आए, वे फिर से सामान्य जीवन जी सकें।'

विनोद सुल्तानपुर में रोज़ाना मजदूरी करते थे, उनके परिवार में छह सदस्य हैं, जिनमें बुजुर्ग माता-पिता, पत्नी और दो बेटियां हैं। वे मजदूरी करके पूरे परिवार की देखभाल करते थे। एक दिन फैक्टरी में काम करते हुए हाई-वोल्टेज करेंट लगने के कारण वे जल गए, जिसके चलते उन्हें गंभीर चोट आई।

लाइफस्टाइल

युवाओं में बढ़ रहे हैं दिल का दौरा पड़ने के मामले

दिल का दौरा पड़ने के मामले आमतौर पर मोटापे और उच्च कोलेस्ट्रॉल के शिकार लोगों के बीच देखने को मिलते हैं, लेकिन हाल ही में युवाओं में सामने आईं ऐसी घटनाएं एक अलग और चिंताजनक तस्वीर पेश करती हैं। ऐसे कई वीडियो सामने आए हैं, जिनमें सैर, जिम में कसरत जैसी रोजमर्रा की गतिविधियां करते और शादी में नाचते समय लोग हृदयाघात के शिकार हो गए। ऐसे में प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञों का मानना है कि असामान्य व्यायाम या अति व्यायाम युवाओं में दिल के दौरे का कारण बन सकता है। पिछले कुछ वर्षों में, हृदयाघात के मामलों में वृद्धि हुई है, विशेष रूप से 25 से 50 वर्ष की आयु के लोगों के बीच। हाल ही में कन्नड़ सुपरस्टार पुनीत राजकुमार, गायक केके और हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव जैसी कई हस्तियों का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। इसके बाद हृदयाघात के बारे में कुछ व्यापक रूप से गलत धारणाएं सामने आई हैं और उन्हें दूर करने की आवश्यकता है।

यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के हृदय रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. नीतीश नाइक कहते हैं, हृदय को रक्त और पोषण की आपूर्ति करने वाली धमनियों में अचानक रुकावट के कारण दिल का दौरा पड़ता है।

फोर्टिस अस्पताल, नोएडा के कार्डियक साइंसेज के अध्यक्ष और कार्डियक सर्जरी के प्रभारी डॉ. अजय कौल बताते हैं, धमनी में वसा की परत का निर्माण होता है। यह परत टूटकर रक्त वाहिका में प्रवेश कर जाती है, जिससे वाहिका में रक्त का थक्का बन जाता है, और वह बंद हो जाती है। नाइक कहते हैं,, धूम्रपान के आदी, सुस्त जीवन शैली वाले, मोटापे, खराब रक्तचाप से ग्रस्त, मधुमेह से पीड़ित या उच्च कोलेस्ट्रॉल के शिकार लोगों के साथ इस तरह की दिक्कत हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि इसके केवल यही कारण नहीं हैं। जिम में अत्यधिक कसरत करने से भी ऐसा हो सकता है।

पैन मैक्स-कार्डिएक साइंसेज में कैथ लैब के प्रमुख निदेशक और प्रमुख डॉ. विवेक कुमार कहते हैं, अनियमित व्यायाम से दिल का दौरा पड़ सकता है, इसलिए बिना प्रशिक्षण के व्यायाम नहीं करना चाहिए। उजाला सिग्नस ब्राइटस्टार हॉस्पिटल, मुरादाबाद के सीनियर कंसल्टेंट और इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. विजया कुमार कहते हैं, हां, ज्यादा व्यायाम करने से कोरोनरी वाहिकाओं में जमी परत फट सकती है, जिससे दिल का दौरा पड़ सकता है। नई दिल्ली के पटपड़गंज में स्थित मैक्स अस्पताल में हृदय रोग विभाग के एसोसिएट डायरेक्टर विनीत भाटिया ने कहा, आंकड़ों की बात की जाए तो युवाओं में इसके 15-18 प्रतिशत मामले होते हैं। लेकिन युवाओं में हृदयाघात के मामले केवल अत्यधिक व्यायाम के कारण नहीं देखे गए हैं। कोविड से भी दिल का दौरा पड़ने के मामले बढ़े हैं। कौल कहते हैं, यह सच है कि कोविड ने बहुत दिक्कतें पैदा की हैं। कोविड से रक्त के थक्के जम सकते हैं। कोविड से हृदय और फेफड़ों की समस्याएं पैदा होती हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि कोई कैसे जान सकता है कि कोविड या अधिक व्यायाम हृदय की समस्याओं का कारण है?

कौल कहते हैं, मूल्यांकन। किसी डॉक्टर के पास जाएं, और वह आपको बताएगा कि क्या कोविड केवल आपके फेफड़ों तक ही सीमित था या नहीं।

कोविड के खिलाफ लड़ाई में टीकों का अहम योगदान रहा है। हालांकि, कोविड रोधी टीके कुछ मामलों में हृदयाघात का कारण भी बने हैं। ऐसे में इस तरह के मामलों से कितना चिंतित होने की जरूरत है? इस बारे में कौल कहते हैं, लाभ, जोखिमों से कहीं अधिक हैं। टीकाकरण में कई अन्य समस्याएं हैं। हां, ऐसा है। लेकिन संख्या इतनी कम है कि उन्हें अनदेखा किया जा सकता है। दूसरा, यह बात ध्यान रखनी चाहिए कि कोविड हृदय की समस्याओं को और अधिक बढ़ा सकता है।

जागरुकता

स्पाइन सर्जरी के जोखिम को कम कर रहा इंटीग्रेटेड रोबोटिक सिस्टम

स्पाइनल सर्जरी को लेकर समाज में फैले भ्रम को दूर करते हुए राजधानी दिल्ली स्थित बीएलके-मैक्स अस्पताल के डॉक्टरों ने यह दावा किया है कि आधुनिक इंटीग्रेटेड रोबोटिक सिस्टम से रीढ़ की हड्डी की सर्जरी में नुकसान के जोखिम को कई गुना तक कम किया जा सकता है। डॉक्टरों का कहना है कि नई तकनीक बेहद आधुनिक सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म है जिसे स्पाइन सर्जरी की सुरक्षा व सटीकता बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह तकनीक स्पाइन सर्जरी में बेहद मददगार है, जहां उत्कृष्ट परिणामों के लिए सटीकता बेहद जरूरी होती है।

अस्पताल के सीनियर डायरेक्टर एंड हेड, ऑर्थोपेडिक स्पाइन सर्जरी डॉ पुनीत गिरधर और सीनियर डायरेक्टर एवं हेड, यूरो सर्जरी एण्ड न्यूरो स्पाइन डॉ अनिल कंसल ने इंटीग्रेटेड रोबोटिक सिस्टम के बारे में बताया कि हाल ही में रोबोटिक नेविगेशन सिस्टम की मदद से 10 जटिल स्पाइन सर्जरियां की हैं, जिनमें 100 फीसद सफल परिणाम मिले हैं। ये सभी मरीज सर्जरी के बाद उसी दिन बिना दर्द के चलने लगे। हाल ही में उन्होंने 71 वर्षीय मरीज भारत भूषण कामरा की सर्जरी की जो प्रशिक्षित क्लासिकल डांसर व रिटायर्ड गजटेड ऑफिसर हैं।

उनकी पीठ में तेज दर्द रहता था, उनकी स्पाइनल नर्व्स में गंभीर कम्प्रेशन हो चुका था, जिसकी वजह से उन्हें चलने-फिरने में परेशानी होती थी। वे सर्जरी कराने से डरते थे, हालांकि उनके मामले में बीमारी अडवान्स्ड स्टेज तक पहुंच चुकी थी, ऐसे में सर्जरी के अलावा कोई विकल्प नहीं था। वहीं, इस अवसर पर सीनियर डायरेक्टर, ऑपरेशंस एंड प्लानिंग और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, डॉ मृदुल कौशिक ने कहा कि मैक्स हेल्थकेयर आधुनिक तकनीकों के उपयोग के द्वारा मरीज़ों की सुरक्षा को बढ़ाने, उन्हें उपचार के सर्वश्रेष्ठ परिणाम उपलबध कराने और उन्हें उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए प्रयासरत रहा है। रोबोट असिस्टेड सर्जरी सर्जनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जिसका उपयोग तकरीबन सभी स्पेशलटीज में किया जा रहा है।

अध्ययन

पुराने दर्द का इलाज करने के लिए दर्द निवारक दवाएं काफी नहीं

यह आश्चर्य की बात नहीं है कि पुराने दर्द से पीड़ित कई लोगों के लिए यह विश्वास करना कठिन होता है कि आधुनिक चिकित्सा और शल्य चिकित्सा उनके दर्द को ठीक नहीं कर सकती। वे अकसर घबराहट की भावना और अपने स्वास्थ्य पेशेवरों से निराश होने की बात कहते हैं। सिर्फ पुराने दर्द से पीड़ित लोग ही लगातार दर्द से परेशान और निराश नहीं रहे हैं। 1982 में, सिएटल में वाशिंगटन विश्वविद्यालय के अमेरिकी न्यूरोसर्जन डॉक्टर जॉन लोसर ने एक सर्जन के रूप में अपने रोगियों को पीठ दर्द से विश्वसनीय रूप से छुटकारा दिलाने में विफल रहने पर निराशा व्यक्त की थी। यह समझने के अपने प्रयासों में कि वह कहां गलत हैं, डॉक्टर लोसर को यह एहसास हुआ कि पीठ दर्द का जवाब पीठ में नहीं है। उनकी जांच और सहयोगियों के साथ विचार-विमर्श के परिणाम को दर्द के बायोसाइकोसोशल मॉडल के रूप में जाना जाने लगा। यह कहता है कि लगातार दर्द मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और जैविक कारकों के बीच गतिशील कारकों का परिणाम है। दूसरे शब्दों में, पुराने पीठ दर्द से पीड़ित अधिकतर लोगों को पीठ की जांच जारी रखने से मदद नहीं मिलती।

केवल अनुमानित जैविक, या पैथोफिजियोलॉजिकल समस्या पर लक्षित उपचार के पर्याप्त होने की संभावना नहीं है। इसके बजाय, लोसर (और अन्य) ने महसूस किया कि उन्हें इस बात की बेहतर समझ प्राप्त करने की आवश्यकता है कि पीठ के बाहर के कारक (या जहां भी पुराने दर्द महसूस हो रहा हो) प्रत्येक रोगी के दर्द की समस्याओं के लिए कुछ न कुछ कारक जिम्मेदार रहे हैं और उन्हें किसी उपचार योजना में शामिल किया जा सकता है। वर्ष 1982 के बाद से 40 साल में, कई देशों के अनुसंधानकर्ताओं ने पुष्टि की है कि स्कैन या शारीरिक परीक्षण प्रायः रोगियों द्वारा बताए गए दर्द के अनुभव और प्रभाव से बहुत कम या कोई संबंध नहीं रखते हैं। यहां तक कि जब घायल या संवेदनशील ऊतक का सबूत होता है, तो ऐसे परिवर्तनों के प्रभाव को लेकर रोगियों के बीच अकसर काफी भिन्नता होती है। इसके साथ ही ये सबूत बढ़ गए हैं कि मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाएं, जैसे कि ध्यान, दर्द के बारे में राय, और व्यक्ति की वर्तमान मनोदशा, साथ ही साथ व्यवहार पैटर्न भी दर्द के अनुभव और प्रभाव में योगदान कर सकते हैं।

दर्द को दूर करने के लिए किसी मरीज के पैर से कांटा निकालने की साधारण स्थिति के विपरीत, लोगों के लिए उपचार जहां जैविक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारकों की एक श्रृंखला को व्यक्ति के दर्द के कारण का जिम्मेदार माना जाता है, इन कारकों के यथासंभव समाधान का प्रयास किया जाना चाहिए। ऐसा करने में विफलता का जोखिम रहता है जिसने डॉ लोसर को बहुत निराश किया। हम डॉ. लोसर की निराशा से काफी आगे निकल आए हैं।

दुबई में आज होगी आईपीएल नीलामी , 10 टीमें भाग लेंगी

119 विदेशी खिलाड़ियों सहित कुल 333 खिलाड़ी शामिल

दुबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17 वें सत्र के लिए मंगलवार को दुबई में नीलामी होगी। ये पहली बार है जब विदेश में आईपीएल नीलामी होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार इस नीलामी में 10 टीमें शामिल होंगी। इसमें 333 खिलाड़ी और 77 स्लॉट रखे गये हैं। इस साल की नीलामी के लिए कुल 1166 खिलाड़ियों ने अपना पंजीकरण कराया था जिसमें से 333 नामों को अंतिम रुप से शामिल किया गया है। इसमें 214 भारतीय और 119 विदेशी खिलाड़ी हैं। वहीं 116 खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं, जबकि 215 खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। दो खिलाड़ी एसोसिएट देशों के भी हैं। इस नीलामी के जरिए 10 टीमों में कुल 77 खिलाड़ी हैं। वहीं 30 स्थान विदेशी खिलाड़ियों के लिए आरक्षित किया गा गया हैं। इस बार होने वाली नीलामी छोटी रहेगी। गुजरात के पास सबसे अधिक 38.15 करोड़ रूपए है, ऐसे में उन्हें नीलामी में उन्हें दो विदेशी खिलाड़ियों सहित कुल आठ खिलाड़ियों को टीम में शामिल करना है। आईपीएल की दूसरी सबसे नई टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के पास 13.15 करोड़ रूपये है और उसे दो विदेशी खिलाड़ियों सहित कुल छह खिलाड़ियों को रखना है। इस नीलामी में अधिकतम 262.95 करोड़ रूपये खर्च किए जा सकते हैं। 333 खिलाड़ियों को 19 अलग-अलग समूहों में बांटा गया है, जिसमें बल्लेबाज, ऑलराउंडर, तेज गेंदबाज, स्पिनर, विकेटकीपर के समूह और कैप्ड (अनुभवी) व अनकैप्ड (गैरअनुभवी) खिलाड़ियों के समूह शामिल हैं। इसमें 23 खिलाड़ियों के अधिकतम दो करोड़ के आधार मूल्य वाले समूह हैं। इसमें मिचेल स्टार्क, ट्रैविस हेड, उमेश यादव और शार्दुल ठाकुर जैसे खिलाड़ी हैं। इसके अलावा 13 खिलाड़ियों का अपना आधार मूल्य 1.5 करोड़ रुपए है।

वहीं इंग्लैंड के बेन स्टोक्स, जो रूट और जोफ्रा आर्चर इस सत्र के लिए शामिल नहीं हैं जबकि केदार जाधव, लिटन दास और शाकिब अल हसन का भी नाम नीलामी सूची में नहीं है। इस सूची में स्टार्क का सबसे ऊपर है। वह आठ साल बाद आईपीएल में वापसी कर रहे हैं ऐसे में उनपर सभी टीमों बड़ी रकम लगा सकती हैं। वहीं कीवी बल्लेबाज रचिन रविंद्र का आधार मूल्य 50 लाख है, लेकिन उनके लिए इससे कई गुना अधिक की बोली लग सकती हैं। युव भारतीय खिलाड़ी शार्दुल ठाकुर, हर्षल पटेल और शाहरूख खान का नाम भी इस सूची में शामिल किया जा सकता सकता है। अर्शीन कुलकर्णी, कुमार कुशाग्र, मुशीर खान, समीर रिजवी और कुछ अन्य युवा अनकैप्ड चेहरे इस नीलामी में हो सकते हैं।

अभी एक साल और टेस्ट प्रारुप खेल सकते हैं वार्नर : हीली

सिडनी (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज इयान हीली का मानना है कि सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर अभी एक साल और खेल सकते हैं। हीली के अनुसार वार्नर ने जिस प्रकार पर्थ में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक लगाया था। उसको देखकर अंदाजा होता है कि वह एक और साल तक टेस्ट क्रिकेट खेल सकते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में वार्नर ने 211 गेंदों पर 164 रन बनाये थे। इससे ऑस्ट्रेलिया ने 360 रन से जीत हासिल की। सिडनी में अपने घरेलू मैदान पर इस सीरीज का आखिरी मैच खेलने के बाद वह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे।

हीली ने कहा, 'मुझे उसके बारे में जो बात पसंद है वह है उसका लगातार खेलने के बाद भी अपनी फिटनेस बनाये रखना। हम सभी जानते हैं कि वह कितना फिट है क्योंकि उसने विकेटों के बीच अपनी तेज दौड़ को बनाये रखी है। मुझे यह काफी पसंद आया। हीली ने कहा, 'अगर वह इस तरह से बल्लेबाजी करता है, तो मेरा मानना है कि वह एक और साल तक खेल सकता है। टेस्ट क्रिकेट में पिछले कुछ समय से वह फुटवर्क के कारण संघर्ष कर रहा था पर पाक पाकिस्तान के खिलाफ मैच में उसका फुटवर्क, संतुलन और बल्ले की गति सब कुछ शानदार रहा।

गौरतलब है कि वार्नर को पिछले कुछ समय में खराब प्रदर्शन के कारण काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। टीम के उनके पूर्व साथी मिचेल जॉनसन ने भी कहा था कि पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में वार्नर की जगह किसी अन्य सलामी बल्लेबाज को अवसर देना चाहिये पर हीली ऐसा नहीं मानते।

अश्विन के पास है लायन का रिकार्ड तोड़ने का अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई ऑफ स्पिनर नाथन लायन ने पर्थ टेस्ट में पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। लायन ने इस मैच में पांच विकेट लेने के साथ ही अपने नाम 500 टेस्ट विकेट कर लिए हैं। इस ऑफ स्पिनर के नाम 123 टेस्ट मैच में 500 विकेट हो गए हैं। इस प्रकार वह विश्व के उन 8 गेंदबाजों में शामिल हो गये हैं जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 500 से ज्यादा विकेट हैं। भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन के पास लायन को जल्दी ही पीछे छोड़ने का अवसर है। अश्विन सबसे तेजी से विकेट लेने के मामले में भी लायन को पीछे छोड़ सकते हैं। अब तक सबसे अधिक विकेट लेने वालों में श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन 800 टेस्ट विकेट के साथ ही शीर्ष पर हैं। वहीं दूसरे नंबर पर शेन वार्न 708 और तीसरे नंबर पर जेम्स एंडरसन 690 विकेट हैं। भारतीय स्पिनर कुंबले 619 विकेट लेकर चौथे स्थान पर हैं। कुंबले के बाद स्टुअर्ट ब्रॉड 604, ग्लेन मैक्ग्रा 563, कर्टनी वॉल्श 519 और नाथन लायन 501 का नंबर आता है. अश्विन 500 से अधिक विकेट वाले एलीट क्लब में सबसे पहले शामिल हो सकते हैं क्योंकि अश्विन अभी इस आंकड़े से केवल 11 विकेट से पीछे हैं। अश्विन के पास इसी माह दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर अपने 500 विकेट पूरे करने का अवसर है। अब तक सबसे कम मैचों में मुरलीधरन ने ये विकेट लिए हैं। लायन ने 500 टेस्ट विकेट 123 टेस्ट मैच में लिए हैं जबकि अश्विन इस आंकड़े तक 96 या 97 टेस्ट मैच में ही पहुंच सकते हैं। इससे पहले अश्विन का आंकड़ा अभी 94 टेस्ट मैच में 489 विकेट का है। अगर अश्विन दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 2 टेस्ट मैचों में अश्विन 11 विकेट ले लें तो 500 का आंकड़ा हासिल कर लेंगे।

दक्षिण अफ्रीका को दूसरे एकदिवसीय में हराकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगी भारतीय टीम

-रजत और रिंकू को मिल सकता है अवसर

गक्बेरहा (एजेंसी)। के एल राहुल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां दूसरे एकदिवसीय में मेजबान दक्षिण अफ्रीका को हराकर तीन मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी। पहले एकदिवसीय में मेजबान टीम भारतीय तेज गेंदबाजों अर्शदीप सिंह और आवेश खान के सामने टिक नहीं पायी थी और भारतीय टीम को आठ विकेट से जीत मिली थी। पहले ही मैच में मिली जीत से भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इससे मेजबान टीम पर दबाव बढ़ा है। भारतीय टीम इस दूसरे एकदिवसीय में बल्लेबाज रजत पाटीदार और आक्रामक खिलाड़ी रिंकू सिंह को अवसर दे सकती है।

कप्तान राहुल दक्षिण अफ्रीका के पिछले दौरे में मिली हार का हिसाब भी इस दौरे में सीरीज जीतकर बराबर करना चाहेंगे। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के टेस्ट टीम से जुड़ने के कारण टीम में एक बल्लेबाज के लिए जगह खाली हुई है। जिसके लिए रिंकू और रजत में मुकाबला है। रिंकू ने पिछले एक साल के अंदर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टी20 मैचों में अपने प्रदर्शन से दिखाया है कि वह हालात के अनुरुप खेलकर टीम को जीत दिलाने में माहिर हैं।

दक्षिण अफ्रीका में उछाल वाली पिचों पर भी रिंकू की बल्लेबाजी सहज रही है। टीम में अभी उनकी भूमिका फिनिशर की है, ऐसे में चौथे क्रम के बल्लेबाज अय्यर की जगह के लिए रजत का दावा ज्यादा मजबूत दिखता है।घरेलू मैचों में वह इसी क्रम पर बल्लेबाजी करते रहे हैं। पाटीदार 2022 में भी भारतीय एकदिवसीय टीम में जगह बनाने में सफल रहे थे पर उन्हें अंतिम एकादश में अवसर नहीं मिला था। इसके बाद सर्जरी के कारण वह खेल से बाहर रहे।

इस श्रृंखला में मैच फिनिशर की भूमिका के लिए अनुभवी संजू सैमसन को अवसर दिया गया है। वह छठे क्रम पर बल्लेबाजी करेंगे। लिस्ट ए क्रिकेट में रिंकू का औसत तकरीबन 50 का है, ऐसे में टीम प्रबंधन के लिए दोनो ही अहम हैं। इस मैच में रजत और रिंकू दोनों को भी अवसर मिल सकता है पर ऐसे में तिलक वर्मा या सैमसन में से किसी एक को बाहर बैठना होगा पर इन दोनो को ही बाहर रखे जाने की उम्मीद कम है। पहले मैच में तिलक को केवल तीन गेंद खेलने का मौका मिला जबकि सैमसन को बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला था। पहले मैच में युवा सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने नाबाद अर्धशतक लगाया था जिससे भारतीय टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही थी। वहीं दूसरी ओर मेजबान दक्षिण अफ्रीका के लिए अनुभवी क्विंटन डिकॉक के खेल संन्यास के बाद टीम में तालमेल बनाना भी कठिन हुआ है। डिकॉक की आक्रामक बल्लेबाजी से रासी वैन डेर डुसेन, हेनरिक क्लासेन्स और डेविड मिलर जैसे बल्लेबाज निडर होकर खेल पाते थे पर डिकॉक के बाहर होने के बाद इसमें बाधा आई है। डिकॉक के बिना उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम के लिए भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों का सामना करना कठिन होगा।

मेरा प्रदर्शन खराब होने के कारण धोनी को मिली जगह : पार्थिव

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के आने के बाद से ही उनके समय के कई विकेटकीपरों को टीम में जगह मिलना बंद हो गया था। धोनी के उदय के बाद ही दिनेश कार्तिक , दीप दासगुप्ता और पार्थिव पटेल को भविष्य अधर में पहुंच गया था। इसका कारण ये रहा कि धोनी ने टीम में आने के बाद से ही अपनी शानदार विकेटकीपिंग और आक्रामक बल्लेबाजी से अपनी जगह पक्की कर ली थी। धोनी के टीम में आने के बाद कार्तिक और पार्थिव बाहर रहे पर विकेल्प के तौर पर ऋद्धिमान साहा को टीम में कुछ अवसर मिले। अब पार्थिव ने कहा है कि धोनी को टीम में जगह इसलिए मिली क्योंकि मेर प्रदर्शन खराब हो गया था। पार्थिव ने कहा, ' धोनी महान रहे हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है पर अपने पहले कप्तान के लिए आपके मन में जगह होती है और मेरे मन में भी ये है। मैंने सीएसके की ओर से 3 साल तक खेला है। मैं यह कह सकता पर मैंने अपना टेस्ट और एकदिवसीय पदार्पण धोनी के आने से पहले किया था।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरा प्रदर्शन खराब हो गया था, इसीलिए धोनी को चुना गया। इसलिए मुझे लगता है कि टीम में जगह उन्हें अपने प्रदर्शन के कारण मिली है।' टीम में सभी को आने का अवसर मिलता है जिसमें अपने को साबित करना होता है जिसमें धोनी सफल रहे।

विलियमसन की एक वर्ष बाद हुई टी20 टीम में वापसी

वेलिंग्टन। न्यूज़ीलैंड के सीमित ओवर कप्तान केन विलियमसन को एकदिवसीय और टेस्ट के बाद अब बंग्लादेश के विरुद्ध खेले जाने वाली घरेलू टी-20 श्रृंखला की भी कप्तानी दी गई है। इस श्रृंखला के साथ ही उनकी एक वर्ष के बाद टी-20 टीम में वापसी हो रही है। जहॉ सलामी बल्लेबाज डेवन कॉन्वे को टी-20 से आराम दिया गया है, वहीं माइकल ब्रेसवेल, लॉकी फ़र्ग्यूसन, मैट हेनरी और हेनरी शिपली अलग-अलग चोटों के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। विलियमसन ने अपना पिछला टी-20 पिछले वर्ष नवंबर में भारत के खिलाफ खेला था। उन्हें इस साल के आईपीएल के पहले मैच के दौरान पैरों में चोट लगी थी और उनकी सर्जरी हुई थी।

इसके बाद उन्होंने अक्तूबर-नवंबर में हुए वनडे विश्व कप के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी। ट्रेंट बोल्ट जिन्होंने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर नहीं किया है अपने आपको चयन के लिए अनुपलब्ध बताया। टीम में ऑलराउंडर जेम्स नीशम की भी वापसी हुई है तथा तेज गेंदबाज बेन सियर्स को भी टीम में शामिल किया गया है। टीम के कोच गैरी स्टीड ने कहा, 'जिस तरह से हमने एकदिवसीय विश्वकप के लिए अलग से तैयारी की थी और रचिन रवींद्र और माक 'चैपमैन जैसे खिलाड़ी उभरे थे, उसी तरह हम टी-20 विश्वकप की भी तैयारी कर रहे हैं। टिम साइफ़र्ट हमारे लिए एक ऐसे ही नाम हैं, जो टी20 विश्वकप के दौरान ऊपरी क्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अभी टी-20 विश्वकप में समय है और हमें उम्मीद है कि विशेष भूमिकाओं के लिए हमें कुछ और नए खिलाड़ी मिलेंगे। हम टूर्नामेंट की परिस्थितियों के अनुसार अपनी योजनाएं बना रहे हैं। न्यूज़ीलैंड की टीम क्रिसमस के बाद 26 दिसंबर को नेपियर में अपना पहला टी-20 मुकाबला खेलेगी।

मुंबई इंडियंस छोड़कर किसी और टीम के लिए खेल सकते हैं रोहित शर्मा? एक बार फिर खुलेगी ट्रेडिंग विंडो

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल ऑक्शन 2024 से पहले मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाकर हार्दिक पंड्या को कप्तानी सौंप कर सबको चौंका दिया। जिसके बाद से लगातार फैंस अपनी नाराजगी जता रहे हैं। कई मुंबई इंडियंस फैंस ने फ्रेंचाइजी को सोशल मीडिया से अनफॉलो कर दिया है। तो कुछ फैंस कह रहे हैं कि, रोहित शर्मा को किसी और टीम में चले जाना चाहिए। लेकिन ट्रेडिंग विंडो 12 दिसंबर को ही बंद हो गई जबकि मुंबई ने अपने नए कप्तान की घोषणा इसके बाद की। वहीं अगर हम ये कहें कि ये संभव है कि रोहित शर्मा आगामी आईपीएल सीजन में किसी और टीम के लिए खेलते दिखें, क्योंकि एक बार ट्रेडिंग विंडो खुलने जा रही है।

दरअसल, दुबई में आईपीएल ऑक्शन 2024 होने जा रहा है। इसके एक दिन बाद यानी 20 दिसंबर को ट्रेडिंग विंडो एक बार फिर खुल जाएगी। तो संभव है कि रोहित शर्मा किसी और टीम में ट्रेडिंग के जरिए चले जाएं। रोहित शर्मा की कप्तानी में 2013 में मुंबई इंडियंस पहली बार चैंपियन बनी थी। उसके बाद 2023 तक उन्होंने टीम को 5 बार चैंपियन बनाया। 2024 आईपीएल सीजन से पहले मुंबई ने अपना कप्तान बदला और रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पंड्या को चुना, जिन्हे वह ट्रेडिंग के जरिए गुजरात टाइटंस से लाई। इससे फैंस खासा नाराज हैं और कुछ ऐसे संकेत भी है कि जिससे लगता है कि रोहित शर्मा इस फैसले से खुश नहीं हैं और मुंबई इंडियंस कैंप में कुछ ठीक नहीं है।

रोहित शर्मा को कप्तानी पद से हटाने के बाद फैंस कई कयास लगा रहे हैं। वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि आईपीएल ट्रेडिंग जब खुली थी तब दिल्ली कैपिटल्स ने रोहित शर्मा को ट्रेडिंग के जरिए अपने स्क्वॉड में शामिल करने की इच्छा जताई थी लेकिन मुंबई इंडियंस इसके लिए तैयार नहीं था।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने लिवरपूल को ड्रॉ पर रोका, आर्सेलन तालिका में फिर से शीर्ष पर

लिवरपूल। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल में लिवरपूल को गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया जबकि आर्सेनल ने रविवार को ब्रिगटन को 2-0 से शिकस्त दी। लिवरपूल इस ड्रॉ मुकाबले बाद तालिका में दूसरे स्थान पर खिसक गया जबकि आर्सेनल एक बार फिर से शीर्ष पर काबिज हो गया। आर्सेनल और लिवरपूल के नाम मौजूदा सत्र में 17-17 मैचों में क्रमशः 39 और 38 अंक है। मैनचेस्टर यूनाइटेड को लिवरपूल ने इस साल मार्च में 0-7 के बड़े अंतर से हराया था लेकिन नये कोच एरिक टेन हैग की देख रेख में टीम ने अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा करते हुए एक भी गोल करने का मौका नहीं दिया। आर्सेनल ने दूसरे हाफ में गैब्रियल जेसुस और काइ हैवर्ट्ज के गोल से पर ब्रिगटन को शिकस्त दी। तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज एस्टन विला ने ने ब्रेंटफोर्ड को 2-1 से हराया। विला की टीम पहले हाफ के आखिरी क्षण में कीन लुईस-पॉटर के गोल के बाद 0-1 से पिछड़ रही थी लेकिन एलेक्स मोरेनो और ओली वाटकिंस ने दूसरे हाफ में गोल कर टीम को जीत दिला दी। ब्रेंटफोर्ड के बेन मी को 71वें मिनट में रेड कार्ड दिखाया गया जिसके बाद टीम को 10 खिलाड़ियों के साथ मैच खेलना पड़ा। मोहम्मद कुदुस के दो गोल के दम पर वेस्ट हैम ने वोल्वस को 3-0 से हराया। कुदुस ने 10 मिनट के अंदर दो गोल किए। टीम के एक और गोल डेविड मोयेस ने किया।

शार्दुल, हर्षल पर आईपीएल में बड़ी बोली लगा सकती है कई फ्रेंचाइजी

मुम्बई (एजेंसी)। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर पर आईपीएल में कई टीमें बोली लगा सकती हैं। आईपीएल के लिए नीलामी मंगलवार को होगी। इसमें 77 खिलाड़ियों पर बोली लगने की संभावन है। शार्दुल अब आईपीएल नीलामी में 2 करोड़ की बेस प्राइस के साथ उतरेंगे। इस खिलाड़ी पर कई फ्रेंचाइजी बड़ी बोली लगाने वाली हैं। केकेआर भी उन्हें जगह दे सकती है। शार्दुल गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी में भी बेहतर हैं। उन्हें 5 से 10 करोड़ की राशि मिल सकती है।

वहीं हर्षल पटेल डेथ ओवर्स के विशेषज्ञ हैं। हर्षल ने अपनी धीम गेंदबाजी से कई बल्लेबाजों को हैरान किया है। हर्षल ने पिछले साल आईपीएल में 11.50 की इकोनॉमी रेट से रन दिये थे। शायद यही वजह रही कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने 2024 के लिए हर्षल पटेल को रीटेन नहीं किया था। अब हर्षल आईपीएल नीलामी में उतरेंगे। आरसीबी ने उन्हें पिछली बार 10.75 करोड़ रुपए में खरीदा था इस बार शायद उन्हें इतनी रकम न मिले।

आईपीएल 2023 में शिवम मावी ने भी शानदार प्रदर्शन किया था। मावी साल 2023 में गुजरात टाइटंस की टीम में थे। शिवम की अपनी स्विंग गेंदबाजी के साथ ही आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह अंतिम ओवरों में बड़े शाट लगा सकते हैं। टी20 मैचों में इस प्रकार के खिलाड़ियों को सभी चाहते हैं। टाइटंस ने पिछली बार 6 करोड़ रुपए में मावी को शामिल किया था। इस बार उन्हें रिलीज कर दिया गया है पर माना जा रहा है कि मावी को एक बार फिर करीब 5 करोड़ का अनुबंध मिल सकता है।

शाहरुख पिछली बार जब आईपीएल नीलामी में उतरे तो उन्हें बेस प्राइस से 22 गुना ज्यादा रकम मिली। इस आक्रामक खिलाड़ी का आधार मूल्य पिछली बार 40 लाख रुपए था पर नीलामी में तब पंजाब किंग्स ने उनपर 9 करोड़ रुपए लगाये थे। शाहरुख अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये और ऐसे में पंजाब किंग्स ने उन्हें रिलीज कर दिया था पर माना जा रहा है कि आईपीएल ऑक्शन 2024 में उन्हें फिर अवसर मिल सकता है।

अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव भारतीय क्रिकेट के खिलाड़ी रहे हैं। उन्हें हालांकि क्षकता के अनुरुप जगह नहीं मिली। आईपीएल 2022 में उमेश यादव ने लगभग हर मैच में नई गेंद से विकेट लिए पर आईपीएल 2023 में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। इसी कारण कोलकाता नाइटराइडर्स ने उमेश को रिलीज कर दिया था। आईपीएल 2024 में उमेश को तकरीबन 5 करोड़ रुपए मिलने की संभावना है। आईपीएल नीलामी की इस सूची में जयदेव उनादकट, मनीष पांडे, केएस भरत, करुण नायर, चेतन सकारिया, सिद्धार्थ कौल जैसे खिलाड़ी भी हैं।

ग्रांड मास्टर शतरंज में हरीकृष्णा की सयुंक्त बढ़त बरकरार

चेन्नई । भारत के शतरंज इतिहास के सबसे बड़े क्लासिकल सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट चेन्नई ग्रांड मास्टर्स में हरिकृष्णा की संयुक्त बढ़त बरकरार है। हालांकि पुरस्कार की दृष्टि से यह सबसे बड़ी शतरंज प्रतियोगिता बताई जा रही है। इसे चेसबेस इंडिया, एमजीडी1 और नोडविन गेमिंग द्वारा आयोजित तथा तामिलनाडु राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया है। इसमें जीतने वाले के लिए 50 लाख रुपये पुरूस्कार राशि रखी गई है। टर्नामेंट के दूसरे दिन हंगरी के सनन स्जुगिरोव जीतने वाले अकेले खिलाड़ी रहे उन्होने इस मुकाबले में कल जीत दर्ज करने वाले उक्रेन के पावेल एलजनोव को पराजित किया। अन्य तीन मुकाबलों में भारत के अर्जुन एरिगासी नें हमवतन डी गुकेश से, ईरान के परहम मघसूदलू नें यूएसए के लेवान अरोनियन से और कल जीत दर्ज करने वाले भारत के पेंटाला हरिकृष्णा नें सर्बिया के अलेक्ज़ेंडर प्रेडके से बाजी ड्रॉ खेली। हालांकि अब दो राउंड के बाद फिलहाल भारत के पेंटाला हरिकृष्णा और हंगरी के सनन स्जुगिरोव 1.5 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर चल रहे है। वहीं आज दूसरे राउंड का उदघाटन करने के लिए पाँच बार के विश्व चैम्पियन और वर्तमान फीडे उपाध्यक्ष विश्वनाथन आनंद पहुंचे। उन्होने अपने शिष्य गुकेश के बोर्ड पर पहली चाल चलकर राउंड का विधिवत उदघाटन किया।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स ने सभी खिलाड़ियों को दिया बराबरी का दर्जा : जडेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेलो इंडिया पैरा गेम्स ने सभी खिलाड़ियों को बराबरी का दर्जा दिया है, यह बात पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा ने कही। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स ने विशेष रूप से विकलांग एथलीटों को आगे बढ़ने और चमकने का एक बड़ा मंच दिया है। बता दें कि जडेजा सेरेब्रल पाल्सी फुटबॉल टूर्नामेंट के विजेताओं को पुरस्कार देने के लिए जेएलएन स्टेडियम में थे। यहां फाइनल में केरल ने तमिलनाडु को 7-0 से हराया। खेलो इंडिया पैरा गेम्स से इतर बोलते हुए, जडेजा ने कहा कि कोई भी पैरा स्पोर्ट्स की तरफ नहीं देखता था। अब, इस पहल के साथ, सभी के साथ समान व्यवहार किया जा रहा है और सरकार वास्तव में उस बात पर अमल कर रही है जब वे खेलेगा इंडिया तो जीतेगा इंडिया कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया ने ही बाकी सभी खेलों के लिए शानदार काम किया है, अब ग्रामीण क्षेत्रों से एथलीटों को शामिल करने के लिए एक संरचना तैयार की गई है। यह संरचना प्रतिभाओं को पनपने का मौका देती है।

उन्होंने कहा कि इसमें सभी खिलाड़ियों को समानता भी दी गई है। एशियाई खेलों और एशियाई पैरा खेलों दोनों में देश की सौ से अधिक पदक उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि एशियाई खेलों में हमारा प्रदर्शन शानदार रहा। इससे भागीदारी का आंकड़ा बढ़ गया है। इसके पीछे खेलो इंडिया का अहम योगदान रहा है। मैं यह विश्वास करना चाहूंगा कि इस खेलो इंडिया पैरा गेम्स की सफलता पदकों की संख्या में नहीं बल्कि भागीदारी के आंकड़ों में है। इतने सारे एथलीटों का भाग लेना, एक सुव्यवस्थित कार्यक्रम और मीडिया का इतना प्रोत्साहन इसे एक बहुत ही सफल आयोजन बनाता है। मैं उन्हें पेरिस पैरालंपिक के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

जड़ेजा ने कहा कि मैं यह भी आशा और प्रार्थना करता हूं कि हर खेल प्रतियोगिता को अब सिर्फ एक कार्यक्रम के रूप में नहीं बल्कि एक यात्रा के रूप में देखा जाए। पदक वितरण समारोह में भी आए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने सेरेब्रल पाल्सी फुटबॉल टीमों की प्रशंसा करते हुए कहा कि फीफा का नारा है फुटबॉल यूनाइट्स वर्ल्ड और मैं यह कहने का अवसर लेता हूं कि सेरेब्रल पाल्सी फुटबॉल टीमों को भी हमारी मौजूदा एआईएफएफ लीग के दौरान खेल में शामिल किया जाएगा।

नेटीजंस को रास आया नोरा का कैजुअल लुक

बॉलीवुड की ग्लैमर क्वीन यानि नोरा फतेही बीती शाम फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के घर पहुंची थीं। इस दौरान नोरा ने ब्लैक क्रॉप टॉप और ब्लू डेनिम्स कैरी किया था। उनका लेटेस्ट कैजुअल लुक नेटीजन्स को खूब पसंद आया। नोरा फतेही ने एक बार फिर अपनी अदाओं का जादू फैंस के दिलों पर चला दिया है। जी हां...एक लंबे समय के बाद नोरा फतेही को पैपराजी ने स्पॉट किया है। हाल में ग्लैमर क्वीन नोरा फतेही ब्लैक क्रॉप टॉप और डेनिम्स पहन फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के घर पहुंची थीं। नोरा फतेही ने अपने लेटेस्ट कैजुअल लुक से फैंस के दिलों पर छुरियां चलाने का इंतजाम कर लिया है। ब्लैक टॉप के साथ ब्लू डेनिम्स पहने नोरा खूब स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रही हैं। उन्होंने शिमरी मेकअप के साथ बालों को बीच से पार्टिशन देकर अपना लुक पूरा किया है। अपने ग्लैमरस लुक को फ्लॉन्ट करते हुए पैपराजी के सामने जमकर पोज किया है। ग्लैमर क्वीन कभी लहराते तो कभी बलखाते कैमरा के सामने अदाएं दिखाती नजर आई हैं। नोरा की नई फोटोज फैंस को इंप्रेस करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। उनके नए लुक पर नेटीजन्स भर-भरकर कमेंटबाजी कर रहे हैं। बता दें, नोरा फतेही एक लंबे समय के बाद स्पॉट हुई हैं, ऐसे में फैंस कयास लगा रहे हैं कि ग्लैमर क्वीन किसी बड़े प्रोजेक्ट की तैयारियों में जुटी हुई हैं।

मिमिक्री करने वालों को शाहरुख का जवाब

शाहरुख की फिल्म 'डंकी' 21 दिसंबर को रिलीज होने को तैयार है। ऐसे में वे प्रमोशन में जुटे हैं। इस दौरान उन्होंने दुबई के एक इवेंट के दौरान फैंस से हंसी- मजाक करते दिखाई दिए। शाहरुख ने उनकी मिमिक्री करने वाले लोगों को मजेदार जवाब दिया और खुद की एक्टिंग कैसे की जाती है- यह भी बखूबी दिखाया। एक्टर ने साल 1993 में आई फिल्म 'डर' का फेमस डायलॉग ककक.. किरण को स्टेज में परफॉर्म किया। इसके अलावा शाहरुख ने अपने तीनों बच्चों का भी जिक्र किया और फैंस को खूब हंसाया। उनकी फैन फालोइंग से सब वाकिफ हैं। ऐसे में फिल्म 'डंकी' के प्रमोशनल इवेंट में पहुंचे एक्टर फैंस के साथ रूबरू हुए। उन्होंने कहा- आजकल इंटरनेट में सब लोग मेरी एक्टिंग करते रहते हैं। वहीं कुछ लोग सोशल मीडिया पर कहते हैं कि मैं शाहरुख खान की एक्टिंग करता हूं- आई लव यू ककक.. किरण। एक्टर ने हंसते हुए कहा-ऐसे थोड़े ना था यार! इसके बाद शाहरुख ने खुद 'डर' के फेमस डायलॉग को स्टेज पर बोलकर दिखाया। बता दें, 'डर' में शाहरुख खान नेगेटिव किरदार में नजर आए थे। 1993 में रिलीज हुई इस फिल्म में सनी देओल और जूही चावला भी थे। यह फिल्म लोगों को बहुत पसंद आई थी और एक ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। शाहरुख खान ने अपने तीनों बच्चों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा- मेरा एक बच्चा 26 साल का है।

सालार के ट्रेलर में दिखा प्रभास का दमदार अंदाज

प्रभास की बहुतचर्चित एक्शन-थ्रिलर फिल्म का दूसरा आधिकारिक ट्रेलर रिलीज हो गया है। जिसमें उनका करेक्टर और उभरकर सामने आया है और साथ ही उनके एक्शन सीन्स भी दिखाए गए हैं। ट्रेलर में प्रभास की एंट्री ने ही फैन्स को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया है। प्रशांत नील द्वारा लिखित और निर्देशित सालार पार्ट 1-सीजफायर से पैन-इंडिया स्टार प्रभास का बहुप्रतीक्षित दूसरा ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। निर्माताओं ने बेताब फैन्स को सालार फीवर से जोड़े रखने के लिए फिल्म की रिलीज से चंद दिन पहले इस शानदार ट्रेलर को रिलीज कर दिया है। सालार के एक्शन से भरपूर इस ट्रेलर को फैन्स रोंगटे खड़े कर देने वाला बता रहे हैं। इसके साथ ही ट्रेलर देखने के बाद फैन्स का कहना है कि अब वह प्रभास को बड़े पर्दे पर इस तरह देखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते हैं। जहां एक तरफ फैन्स ने इस ट्रेलर को देरी से रिलीज करने पर अपनी निराशा व्यक्त की। वहीं, दूसरी तरफ वह इस ट्रेलर को देखकर अब और भी ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं। सालार पार्ट 1 के दूसरे ट्रेलर को 'फाइनल पंच' कहा जा रहा है। यह फिल्म 22 दिसंबर को दुनिया भर में पांच भाषाओं में रिलीज होने जा रही है। दूसरा ट्रेलर खानसार दुनिया और वहां रहने वाले लोगों के जीवन को नियंत्रित करने वाले पात्रों की बेहतर झलक दिखाता है. यह कहानी की एक झलक भी देता है, जिसमें अपने दोस्त पृथ्वीराज सुकुमारन की मदद करने के लिए प्रभास की खानसार में एंट्री को दिखाता है। प्रभास के एक्शन-सीक्वेंस फैन्स को और भी ज्यादा बेताब कर रहे हैं। जब फैन्स फिल्म के पहले ट्रेलर से संतुष्ट नहीं थे।

शूटिंग के वक्त चोटिल वरुण धवन

बॉलीवुड के हैंडसम हंक वरुण धवन शूटिंग के वक्त चोटिल हो गए हैं। इसकी जानकारी खुद उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी है। बता दें कि वरुण इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म वीडी 18 की शूटिंग कर रहे थे। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कैप्शन में लिखा- मेरे शिन (पिंडली) में चोट लग गई, जब पैर लोहे के रॉड से टकरा गया। इस अनटाइल्ड फिल्म का डायरेक्शन कलीस कर रहे हैं। वहीं फिल्म को एटली और मुराद खेतानी प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में वरुण के अलावा कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी भी हैं। फिल्म में वरुण फुल एक्शन अवतार में देखने को मिलेंगे। यह सुपरहिट तमिल फिल्म थेरी की रीमेक है। उम्मीद है कि फिल्म की शूटिंग 2004 मार्च तक पूरी हो जाएगी। इसके बाद फिल्म उसी साल की गर्मियों में सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती हैं। हाल में वरुण को फिल्म बवाल में देखा गया था। इस फिल्म में उनके अपोजिट जाह्नवी कपूर नजर आई थीं। फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी और इसे फैंस का मिक्स रिस्पॉन्स मिला था। वहीं इस फिल्म का डायरेक्शन नितेश तिवारी ने किया था। जल्द ही वरुण एक बार फिर पिता डेविड धवन के फिल्म में नजर आएंगे। ये चौथा मौका होगा, जब दोनों साथ में काम करेंगे। एक रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म अगले साल अप्रैल में फ्लोर पर आ सकती है। फिल्म में फिर से वरुण कॉमेडी अंदाज में दर्शकों को एंटरटेन करेंगे। उनके अपोजिट 2 एक्ट्रेसेस को कास्ट किया जाएगा। हालांकि यह दो एक्ट्रेस कौन होंगी, अभी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वरुण आने वाले दिनों में हॉलीवुड सीरीज सिटाडेल के हिंदी रीमेक में दिखेंगे। उनके साथ सामंथा रुथ प्रभु भी दिखाई देंगी। हालांकि रिलीज डेट को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इसे राज एंड डीके द्वारा बनाया जा रहा है।

सैम को लेकर सुर्खियों में तृप्ती डिमरी!

इस साल की ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल में जोया का किरदार निभाकर वाहवाही लूटने वाली तृप्ति डिमरी फिल्म की रिलीज से सुर्खियों में बनी हैं। लंबे समय से फिल्म को लेकर सुर्खियों में रहने के साथ ही अब उनके लव लाइफ को लेकर भी चर्चा है। तृप्ति कुछ समय पहले तक एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा के भाई कर्णेश के डेट करने की खबरों से चर्चा में थीं, लेकिन अब खबरें हैं कि दोनों का ब्रेकअप हो चुका है। कुछ समय पहले ही नेशनल क्रश बन चुकीं तृप्ति डिमरी एक शादी में शामिल हुई थीं। तृप्ति के फैन पेज पर इस वेडिंग सेरेमनी की कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। सामने आई एक सेल्फी में तृप्ति और सैम मर्चेंट साथ में पोज कर रहे हैं, जिससे तृप्ति के डेटिंग रूमर्स शुरू हो गए हैं। तृप्ति डिमरी सैम मर्चेंट को डेट कर रही हैं। सैम मर्चेंट एक बिजनेसमैन हैं जो गोवा के वॉटर बीच लॉन्ज एंड ग्रिल के मालिक हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार सैम मर्चेंट ग्लेमर वर्ल्ड का भी हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने साल 2002 में ग्लैडरेग्स मैनहंट कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया था और जीत हासिल की थी। इसके बाद उन्होंने कुछ सालों तक बतौर मॉडल काम किया है। जिसके बाद उन्होंने बिजनेस वर्ल्ड में एंट्री की थी। बताते चलें कि अब तक तृप्ति डिमरी और सैम मर्चेंट दोनों ने ही अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट से साथ में कोई तस्वीर पोस्ट नहीं की है। बॉलीवुड एक्ट्रेस के भाई और प्रोड्यूसर कर्णेश शर्मा और तृप्ति डिमरी 6 महीने पहले तक रिलेशनशिप में थे। 6 महीने पहले ही दोनों का ब्रेकअप हुआ है, हालांकि दोनों ने ही अपने रिलेशनशिप को सीक्रेट रखा था। कर्णेश बहन अनुष्का के साथ क्लीनस्लेट प्रोडक्शन हाउस के को-फाउंडर हैं। बताते चलें कि तृप्ति डिमरी फिल्म एनिमल से पहले लैला मजनू, कला जैसी हिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। जल्द ही एक्ट्रेस फिल्म मेरे महबूब मेरे सनम और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आएंगी।

अपने ही देश में सुरक्षित महसूस नहीं करतीं पाकिस्तानी एक्ट्रेस आयशा उमर

आयशा उमर पाकिस्तान में सबसे अधिक भुगतान पाने वाली और लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह एक यूट्यूबर भी हैं और देश की स्टाइल आइकन के रूप में जानी जाती हैं। अब आयशा ने एक बेहद चौंकाने वाली बात शेयर की है। उन्होंने पाकिस्तान में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि देश में महिलाओं को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और कैसे वह देश में सुरक्षित महसूस नहीं करतीं। महिला को कम उम्र में उत्पीड़न का सामना करना पड़ा था और 2015 में एक घातक दुर्घटना का भी सामना करना पड़ा था।

अब, अदनान फैसल पॉडकास्ट से बात करते हुए उन्होंने पाकिस्तान में महिलाओं के लिए सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह देश में सुरक्षित महसूस नहीं करतीं। वह स्वतंत्र रूप से चलना चाहती है और बाहर खुली हवा में चलने में सक्षम होना एक बुनियादी मानवीय आवश्यकता है। आयशा को लगता है कि पुरुष कभी नहीं समझ सकते कि महिलाएं किसके साथ बड़ी होती हैं

उन्होंने कहा कि महिलाएं सड़कों पर चलने में सुरक्षित महसूस नहीं करतीं और वह हमेशा कार में नहीं बैठना चाहतीं। वह साइकिल या बाइक चलाना चाहती है। उन्होंने कहा, 'पुरुष कभी नहीं समझ सकते कि पाकिस्तानी महिलाएं किसके साथ बड़ी होती हैं।' उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान में एक महिला को जिस डर का सामना करना पड़ता है, उसे केवल वही लोग समझ पाएंगे जिनकी बेटियां हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं हमेशा चिंतित रहती हैं और महिलाओं को समझना असंभव है। उन्होंने उस समय को याद किया जब उन्हें उत्पीड़न का सामना करना पड़ा था और कहा कि उनके पड़ोसी के रसोइये ने उन्हें गलत तरीके से छुआ था। इसके बाद उन्होंने कहा कि पॉश इलाकों में भी वह असुरक्षित महसूस करती हैं।

एकमात्र समय जब वह सड़कों पर चलने में सुरक्षित महसूस कर रही थी वह कोविड 19 लॉकडाउन के दौरान था। उन्होंने कहा, 'वह समय कब आएगा जब मैं अपने देश में स्वतंत्र रूप से घूम सकूंगी? बिना अपहरण के डर के, बिना बलात्कार के डर के, बिना ठगी के डर के। यह एक बुनियादी मानवीय जरूरत है। स्वतंत्रता और सुरक्षा।'

डायलॉग पाकिस्तान के अनुसार, आयशा ने सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि हर देश में अपराध होते हैं लेकिन कम से कम लोग आजादी से घूम तो सकते हैं। लेकिन पाकिस्तान में दस लोगों को फॉलो किए बिना कौन नहीं जा सकता। लोग गंदी बातें कहते हैं और आपको छूने की कोशिश करते हैं।

आर्य समाज की अनुपम देन है सत्यप्रकाश: डा. महेश शर्मा

भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ आर्य समाज नोएडा का वार्षिकोत्सव

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा (गौतमबुद्धनगर) के सांसद डा. महेश शर्मा ने कहा है कि आर्यसमाज की राष्ट्र को अनुपम देन है सत्य प्रकाश। आर्य समाज हमें संस्कारित होकर दूसरों को संस्कारित करना सिखाता है। महर्षि दयानंद सरस्वती के विचार इस राष्ट्र को एक बार फिर विश्व गुरू बनाएंगे।

गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद डा. महेश शर्मा ने यह बात आर्य समाज सेक्टर-33 के वार्षिकोत्सव के समापन पर कही। आर्य समाज के वैदिक विद्वान डा. जयेंद्र आचार्य के ब्रह्मत्व में 101 कुण्डीय विश्व शांति सौहार्द महायज्ञ सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा ने कहा कि गुरुकुल हमें स्वयं संस्कारित होकर दूसरों को संस्कारित करना सिखाता है। डॉ महेश शर्मा ने इस अवसर पर महर्षि दयानंद सरस्वती और आर्य समाज के उपकारों की चर्चा भी की। यज्ञ के महत्व की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यज्ञ से ही मानव का निर्माण हो सकता है। उन्होंने सामाजिक सेवा को सर्वोपरि बताया।उन्होंने आगे कहा कि सत्यार्थ प्रकाश स्वामी दयानन्द की राष्ट्र को अनुपम देन है।

बागपत से सांसद डा सत्यपाल सिंह ने इस अवसर पर कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती जी को ही महापुरुषों में युग प्रवर्तक कहा जाता है। गुरुकुल शिक्षा के द्वारा ही नैतिक शिक्षा को बढ़ाया जा सकता है।

मुख्य वक्ता डा शशि प्रभा कुमार ने कहा कि हम इतने कम समय में ऋषि के उपकारों को नहीं बता सकते हैं महर्षि के उपकार नारी जाति पर बहुत हैं। स्त्री शिक्षा के अधिकार महर्षि दयानंद सरस्वती की देन है। साहस, स्वराज्य प्राप्ति की प्रेरणा, सामाजिक उत्थान, ब्रह्मचर्य,गौ रक्षा का महत्व बताते हुए गौकरुणा निधि पर प्रकाश डाला और गुरुकुल शिक्षा का महत्व बताया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में एमिटी शिक्षण संस्थान के संस्थापक व प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ अशोक चौहान ने महर्षि दयानंद सरस्वती की प्रेरणा और हवन को अपनी तरक्की का आधार बताया और कहा प्रत्येक व्यक्ति को महर्षि के उपकारों को ध्यान रखना चाहिए।

नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने कहा कि भविष्य में ऐसे लोग ही दिखाई देंगे जो वेद और संस्कृति को जानते हैं। वेद ज्ञान के कारण महर्षि दयानंद सरस्वती पूरी दुनिया में सर्वोच्च स्थान पर हैं।

डॉक्टर अमिता चौहान चेयरपर्सन एमिटी स्कूल्स ने बताया की में भी गुरुकुल की देन हूं,मेरे माता पिता गुरुकुल से थे। संस्कृत पढ़ने वाले अपने को हीन न समझें। इस अवसर पर डॉ वेदपाल, डा संध्या शर्मा, प्रो सोमदेव शतांशु (कुलपति गुरुकुल कांगड़ी) ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से एमिटी शिक्षण संस्थान के निदेशक व प्रसिद्ध शिक्षाविद् आशीष कठपालिया, सौरभ कठपालिया, जितेंद्र भाटिया, सत्य वीर चौधरी, नरेन्द्र पांचाल, सुरेश आर्य, यज्ञवीर चौहान (गाजियाबाद) राजेश सेठी मेरठ, ओमवती गुप्ता, प्रधाना मधु भसीन, कैप्टन अशोक गुलाटी, ओमकार शास्त्री, प्रवीण आर्य एवं सीमा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का कुशल संचालन डा. जयेंद्र आचार्य व मंत्री गायत्री मीना ने किया।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा ने किया संगठन का विस्तार

ब्राह्मण कल्याण बोर्ड तथा भगवान परशुराम भवन का जल्द हो निर्माण : पं. पीतांबर शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतवर्ष ब्राह्मण महासभा की एक बैठक ग्रेटर नोएडा के पी3 सेक्टर के बारात घर में संपन्न हुई बैठक में संगठन का विस्तार करने के साथ-साथ संगठन को और मजबूत बनाने पर भी चर्चा हुई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा ने कहा कि उनका संगठन पूरी तरह से राजनीतिक है। संगठन किसी जाति धर्म के खिलाफ नहीं है लेकिन अगर ब्राह्मण समाज के अधिकारों पर कुठाराघात किया गया तो इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण महासभा द्वारा पिछले काफी समय से ब्राह्मण कल्याण बोर्ड के गठन तथा नोएडा शहर में भगवान परशुराम भवन के निर्माण की मांग को प्रमुखता से उठाया जा रहा है। दोनों मांगे पिछले काफी समय से लंबित चल रही है जिन्हें पूरा कराये जाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बैठक में उपस्थित समाज के लोगों का आह्वान किया कि वह इन दोनों मांगों को पूरा करवाने में अहम योगदान दें और समाज के अन्य लोगों को भी इसके लिए जागरूक करें।

प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने इस मौके पर दनकौर निवासी राजेश शर्मा को जिला अध्यक्ष श्रीमती गायत्री तिवारी को महिला प्रकोष्ठ मेरठ मंडल की अध्यक्ष पूजा शर्मा को मेरठ मंडल की महामंत्री तथा कृष्ण कुमार शर्मा को मेरठ मंडल के सचिव की जिम्मेदारी दी इस अवसर पर श्3 सेक्टर के नवनिर्वाचित आरडब्ल्यूए अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा को भी सम्मानित किया गया बैठक में महासभा के राष्ट्रीय है वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधान परिषद सदस्य सतीश शर्मा सुरेंद्र शर्मा परमानंद शर्मा रामकुमार शर्मा मांगेराम शर्मा सुरेश शर्मा ओपी शर्मा, कर्नल एस वी द्विवेदी ,अनिल शर्मा आदि मौजूद थे।

कायस्थ सभा का वार्षिक उत्सव स्नेह मिलन सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। कायस्थ सभा गौतमबुद्धनगर की वार्षिक सभा 'स्नेह मिलन 2023' ईशान म्यूजिक कालेज सेक्टर-12 में की गई। कार्यक्रम में ज्योतिष रत्न गुरु, गौतम रिषि को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि गौतम रिषी को उप मुख्यमंत्री उ प्र ने कायस्थ रत्न की उपाधि से सम्मानित किया है।

सभा में सभा संरक्षक राजेश श्रीवास्तव के पुत्र अमोल श्रीवास्तव आईएएस, अपर चुनाव अधिकारी, मिजोरम को कायस्थ सभा द्वारा सम्मानित किया गया। अमोल श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि बहुत बड़े अधिकारी बनना ही जरूरी नहीं है बल्कि अच्छा चरित्र और साफ नियत का महत्व होता है। अपर पुलिस आयुक्त (एसीपी-3) सौरभ श्रीवास्तव को भी सम्मानित किया।

सभा अध्यक्ष आर एन श्रीवास्तव ने बताया कि सभा का उद्देश्य कायस्थों को संगठित करना है और श्री चित्रगुप्त भगवान के मंदिर के लिए स्थान तलाश किया जा रहा है। महासचिव विक्रम श्रीवास्तव ने बताया कि सभा की सदस्यता बढ़ाने और मजबूत संगठन बनाने की कोशिश की जा रही है।

सभा के सदस्यों ने बहुत मधुर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। बेबी सौम्या श्रीवास्तव ने बहुत सुंदर नृत्य प्रस्तुत कर ढेरों तालियां और प्रशंसा बटोरी।हर प्रस्तुति पर श्रोताओं ने जोरदार तालियों से अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में विक्रम श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, आदित्य, नीरज, डी के भटनागर,आर एन श्रीवास्तव,किरन सक्सेना, वी के सक्सेना, शिप्रा श्रीवास्तव,डी के श्रीवास्तव आदि अनेक लोग उपस्थित रहे।

पूरी शिद्दत के साथ याद किए जाएंगे किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह, होगा कवि सम्मेलन

नोएडा (चेतना मंच)। भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह किसानों तथा मजदूरों के सच्चे मसीहा थे। 23 दिसंबर को चौधरी चरण सिंह की जयंती है। जयंती के अवसर पर स्व. चौधरी चरण सिंह को देश भर में सिद्दत के साथ याद किया जाएगा। इसी कड़ी में ग्रेटर नोएडा में चौधरी चरण सिंह की जयंती पर यज्ञ, विचार गोष्ठी तथा कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। इस आयोजन में नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के नागरिक बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

आप को बतादें कि स्व. चौधरी चरण सिंह की जयंती पर 23 दिसंबर को पूरे देश के साथ ही साथ नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य आयोजन ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के गांव रामगढ़ में होगा। लम्बे अर्से से नोएडा व ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में सक्रिय चौधरी चरण सिंह वेलफेयर सोसायटी ने यह कार्यक्रम करने की योषणा की है। स्व. चौधरी चरण सिंह की जयंती पर सुबह 10 बजे यज्ञ के आयोजन से शुरू होकर यह कार्यक्रम देर शाम तक चलेगा।

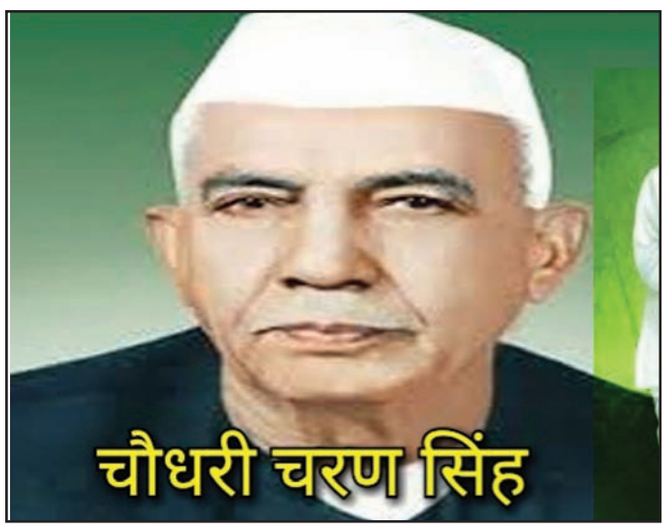

चौधरी चरण सिंह सोशल वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने बताया कि हर वर्ष ग्रेटर नोएडा शहर में चौधरी चरण सिंह की जयंती तथा पुण्यतिथि पर आयोजन किया जाता है। इस बार का आयोजन ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के गांव रामगढ़ में किया जाएगा। इस आयोजन में यज्ञ-हवन, विचार गोष्ठी तथा कवि सम्मेलन आयोजित हो रहा है। क्षेत्र के सभी जागरूक नागरिकों को इस आयोजन में आमंत्रित किया गया है।

भूपेन्द्र चौधरी एडवोकेट ने बताया कि स्व. चौधरी चरण सिंह की याद में देश के जाने-माने कवि मसलन दिनेश रघुवंशी, शंभू शिखर, विनोद पाल तथा सुश्री खुशबू शर्मा काव्य पाठ करेंगे।

आपको बता दें कि स्व. चौधरी चरण सिंह की याद में आयोजन करने वाली चौधरी चरण सिंह सोशल वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी एडवोकेट हैं। उनके साथ ही सोसायटी में रविन्द्र चौधरी उपाध्यक्ष, विनोद राठी महासचिव, मनोज चौधरी कोषाध्यक्ष, संजय तेवतिया तथा कपिन्द्र कुमार सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

सोसायटी की कमेटी ने नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के सभी जागरूक नागरिकों से अपील की है कि वे किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि के कार्यक्रम में अवश्य शामिल हों।

शोकसभा में विकास शर्मा को दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-22 स्थित चौड़ा रघुनाथपुर गांव के निवासी एवं प्रसिद्ध समाजसेवी रोटेरियन त्रिलोक शर्मा के सुपुत्र विकास शर्मा का ब्रेन ट्यूमर होने के कारण विगत 14 दिसंबर को निधन हो गया था। उनके निधन पर नोएडा शनि सेवा समिति द्वारा सेक्टर-14 स्थित शनि मंदिर में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। शोकसभा में शहर के गणमान्य लोग, पत्रकारों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

शनि सेवा समिति के अध्यक्ष मानसिंह चौहान ने शोक सभा में बताया कि जाने माने समाजसेवी व रोटेरियन त्रिलोक शर्मा के पुत्र विकास शर्मा बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। एमिटी से एमबीए करने के बाद विकास शर्मा ने जल्द ही व्यवसाय के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई। 22 वर्ष की उम्र में उन्होंने अपने पिता के बिजनेस को कॉरपोरेट में बदलकर ग्रेसल कम्युनिकेशन कंपनी बनाई। विकास शर्मा नोएडा शहर में दीप उत्सव के मेगा इवेंट्स का एक दशक तक आयोजन कराते रहे। मात्र 40 वर्ष की उम्र में विकास दुनिया से विदा हो गए। वह अपने पीछे अपने जुड़वां पुत्र और पुत्री छोड़कर गए हैं। शोक सभा में पत्रकार बीके अवस्थी, आशीष दुबे, राजेश तिवारी, मुकेश शुक्ला, मनोज राजपूत, सुदामा पाठक, ललित मिश्रा, राजीव मिश्रा, जितेंद्र शर्मा, वीके पांडे, महेंद्र सिंह, दयाशंकर तिवारी, ज्ञानेंद्र शर्मा, विनोद जादौन, करतार चौहान, प्रमोद त्यागी, लाजपत राय, आजाद सिंह, मुकेश, राकेश, प्रदीप, अभिषेक मिश्रा, पंडित कृष्णकांत शर्मा, जितेंद्र शर्मा, सहित तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

क्राइम फाईल

चाय की पत्ती से भरा ट्रक पलटा, लगा जाम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के सूरजपुर घंटा चौक पर चाय की पत्ती से भरा ट्रक पलट गया। ट्रक पलटने से यहां यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। इस हादसे में ट्रक चालक व परिचालक मामूली रूप से घायल हो गए हैं।

तेज गति में आ रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सूरजपुर घंटा चौक के पास पलट गया ट्रक पलटते ही चौराहे के आसपास खड़े लोगों में हड़कंप मच गया। लोगों ने पुलिस को सूचना दें कर ट्रक में फंसे चालक परिचालक को बाहर निकाला। ट्रक में चाय की पत्ती भरी हुई थी। बीच सड़क पर ट्रक पलटने के कारण यहां यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पुलिस ने क्रेन की मदद से ट्रक को सड़क किनारे करा कर यातायात को सामान्य कराया।

ट्रेन की चपेट में आकर मरा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के तिलपता के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि तिलपता का चौकी क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों को बुलाकर मृतक की शिनाख्त करने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिल पाई।शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।आसपास के थाना क्षेत्र को अज्ञात व्यक्ति की मौत की सूचना दे दी गई है।

महिला कांस्टेबल के पति के साथ ऑनलाइन ठगी

नोएडा (चेतना मंच)। गूगल के जरिए ऑनलाइन डॉक्टर की अपॉइंटमेंट लेना महिला कांस्टेबल के पति को खासा महंगा पड़ा है। जलसाज ने महिला कांस्टेबल के पति को अपना शिकार बनाते हुए उसके खाते से 98 हजार रूपए यूपीआई के माध्यम से ट्रांसफर कर लिए। पीड़िता ने थाना कासना में अज्ञात ठग के खिलाफ मुकदमा कराया है।

एसीपी ग्रेटर नोएडा के कार्यालय में तैनात महिला आरक्षी गरिमा पाल ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसके पति अजय कुमार ने तबीयत खराब होने पर डॉक्टर से अपॉइंटमेंट बुक करने के लिए गूगल पर डॉ. सीपी सिंह को सर्च किया था। कुछ देर बाद उनके व्हाट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से मैसेज आया।

अज्ञात जालसाज ने कॉल कर बताया कि वह अपॉइंटमेंट लेने के लिए उनके मोबाइल पर एक लिंक भेज रहा है। इस लिंक पर वह अपना अपॉइंटमेंट बुक कर सकता है। उक्त व्यक्ति द्वारा लिंक को मोबाइल फोन में इंस्टॉल करने पर उसमें कई तरह के ऑप्शन आ रहे थे जिनको भरने के पश्चात भी पेमेंट फेल हो रही थी। गरिमा पाल के मुताबिक उनके पति ने जब उक्त नंबर पर बात की तो उसने उन्हें कस्टमर सपोर्ट डॉट एपीके ऐप इंस्टॉल करने को कहा। इस ऐप को इंस्टॉल करने पर उनके मोबाइल फोन पर ओटीपी व मैसेज आने शुरू हो गए। इसके बाद उन्होंने बुक ऐप को अनइनस्टॉल कर दिया।

इस दौरान तबीयत बिगड़ने पर अजय कुमार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुछ समय बाद उनके मोबाइल फोन पर मैसेज आया कि उनके अकाउंट से 98000 रूपये यूपीआई के माध्यम से ट्रांसफर हो गए हैं। थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार पांडे ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर अज्ञात जालसाज के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है। इस मामले में साइबर सेल की भी मदद ली जा रही है।